डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
29 नवंबर 2024 शुक्रवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
18 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

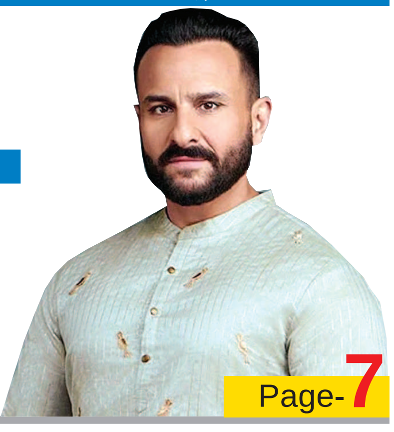

Page-7

शेयर बाजार में आखिरी दिन बूम, सेंसेक्स निफ्टी भागे

मुंबई. एजेंसी

महाराष्ट्र के चुनाव नतीजे के बाद शेयर बाजार की चाल पर सभी की नजरें हैं। कल जबर्दस्त गिरावट के बाद आज सप्ताह के आखिरी दिन शेयर बाजार में शानदार तेजी से सभी अचंभित हैं। निफ्टी तो 24000 के ऊपर पहुंच चुका है और 124 अंक चढ़कर कारोबार कर रहा है। वहीं सेंसेक्स 600 अंक चढ़ गया है। बैंक निफ्टी 52000 के ऊपर है। वहीं अडानी के सभी शेयरों में आज भी तेजी है। हालांकि कुछ आईटी स्टॉक में गिरावट आई है। बीएसई सेंसेक्स के टॉप 30 शेयरों में से 24 शेयर शानदार तेजी दिखा रहे हैं, अडानी पोर्ट सबसे ज्यादा 1.84 फीसदी चढ़ा है। इसके बाद सन फार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा और भारती एयरटेल के शेयर चढ़े हैं। जबकि इंफोसिस, आईटीसी, टीसीएस और पावरग्रिड के शेयर टूट रहे हैं। जानकारों का कहना है कि शेयर बाजार में कल यानी गुरुवार को गिरावट की बड़ी वजह अमेरिका में फेड रेट कटौती की आशंका रही थी। जिस कारण भारतीय शेयर बाजार के हैवीवेट आईटी शेयर टूट गए। आईटी शेयरों के टूटने से सेंसेक्स करीब 1400 अंक टूट गया था व निफ्टी में 350 अंकों की गिरावट आई थी।

शिल्पा शेट्टी के घर ईडी का छापा

मुंबई. एजेंसी

मोबाइल एप के जरिए अश्लील सामग्रियों को तैयार करने और प्रसारित करने से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग जांच को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कारोबारी व अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा के घर और कार्यालयों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने शिल्पा शेट्टी के पति समेत कुछ अन्य के परिसरों पर छापेमारी की। मुंबई और उत्तर प्रदेश में करीब 15 स्थानों पर तलाशी ली जा रही है। जांच मोबाइल एप्लीकेशन और अन्य माध्यमों से पोर्नोग्राफिक सामग्री के कथित वितरण में संदिग्धों की भूमिका से संबंधित है।

आधी रात तक माथापच्ची के बाद फिर बैठकों के नए दौर

गतिरोधः संसद में अडाणी, महाराष्ट्र में फडणवीस पर उलझन अंतहीन

नईदिल्ली.एजेंसी

संसद के शीतकालीन सत्र में लोकसभा की कार्यवाही आज भी हंगामेदार रही तथा कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के चलते इसे स्थगित भी करना पड़ी। विपक्ष अडाणी मामले पर चर्चा के लिये अडा है। वहीं राज्यसभा की कार्रवाई सोमवार तक स्थगित कर दी गई। वहीं लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 2 दिसंबर सोमवार तक स्थगित कर दी गई। दूसरी तरफ महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री का चयन भी अटका हुआ है। आधी रात तक चली बैठक के बाद भी भाजपा ठोस निर्णय पर नहीं पहुंच पा रही है। देवेंद्र फडणवीस की सहमति कभी बन रही है तो कभी किंतु परंतु आ रहे है। उधर एकनाथ शिंदे और अजित पवार भी दिल्ली में जमे हुए हैं। माना जा रहा है कि डिप्टी सीएम के लिये शिंदे थोडा नरम पडे हैं लेकिन भाजपा पूरी तरह आश्वस्त नही है ।

इधर, संसद में आज प्रश्नकाल के दौरान सांसद लगातार आसन के करीब पहुंच कर नारेबाजी करते रहे। वहीं, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला लगातार सदस्यों से सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने का आग्रह करते रहे। विपक्षी दलों के सदस्यों ने उनकी एक ना सुनी और हंगामा जारी रखा। इसके बाद सुबह सदन की कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। कांग्रेस आज भी अदाणी मामले पर चर्चा की मांग कर रही है। इसके लिए सांसद मणिकम टैगोर ने लोकसभा में स्थगन नोटिस दायर किया है। टैगोर ने कहा कि मैं तत्काल महत्वपूर्ण अदाणी मामले पर चर्चा की मांग करता हूं। अदाणी ग्रुप पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और प्रतिभूति धोखाधड़ी के हालिया आरोपों पर चर्चा करने के लिए स्थगन प्रस्ताव पेश करने की अनुमति चाहता हूं। ज्ञात हो कि कांग्रेस सांसद 25 नवंबर को शीतकालीन सत्र की शुरुआत से ही लोकसभा में अदाणी मामले पर चर्चा करने की मांग पर अडे है। जबकि संभल घटना और मणिपुर का जिक्र भी जारी है। समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि सरकार अदानी संभल और मणिपुर से जुड़े मुद्दों पर चर्चा से भाग रही है। जब सरकार नहीं चाहती कि संसद चले तो वह कैसे चल सकती है ।

शिंदे के बिना सहमत नहीं शिवसेना विधायक

दिल्ली में बीती रात गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार से अलग-अलग बात की गई। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, एनसीपी सांसद सुनील तटकरे भी शाह के घर पहुंचे थे, लेकिन करीब तीन घंटे की कवायद के बाद भी सीएम का नाम तय नहीं हो पाया। सूत्र बता रहे हैं कि शाह के साथ बैठक में एकनाथ शिंदे को संकेत दे दिया गया कि सीएम फडणवीस ही होंगे। जो शिंदे शुरू में डिप्टी सीएम के लिए तैयार नहीं थे लेकिन बाद में उनका रूख नरम हो गया। मगर शिंदे गृह मंत्रालय अपने पास चाहते हैं। अब आज मुंबई में शाम को महायुति के तीनों नेताओं की बैठक फिर होगी और कल विधायक दल का नेता चुनने के लिये बैठक के आसार हैं। हालांकि दिल्ली में भी महायुति की एक बैठक प्रस्तावित है। शिवसेना के वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि शिंदे को कुछ भारी-भरकम विभागों के साथ कैबिनेट का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। नेताओं का मानना है कि सरकार में एकनाथ शिंदे की अनुपस्थिति से पार्टी विधायकों को सरकार में पर्याप्त हिस्सेदारी और फंड पाने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। वहीं अजित पवार की नजरें भी उपमुख्यमंत्री पद के साथ वित्त विभाग पर है।

संभल पर सुप्रीम कोर्ट

निचली अदालत कोई फैसला न लें

नई दिल्ली. एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के संभल में मुगलकालीन मस्जिद का सर्वेक्षण कराने संबंधी एक जिला अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई में चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि मस्जिद समिति को कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करने का मौका मिले। शीर्ष अदालत ने कहा कि मस्जिद कमेटी अपील करे तो इस मामले में तीन दिन के भीतर सुनवाई की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सर्वे रिपोर्ट सीलबंद रखी जाए, जिला अदालत मध्यस्थता पर विचार कर सकता है। सीजेआई ने कहा कि यह याचिका लंबित रहेगी और इस पर 6 जनवरी के बाद सुनवाई होगी। सीजेआई ने कहा, हम चाहते हैं संभल में शांति रहे, प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले में निचली अदालत कोई ऐक्शन ना ले।

चक्रवात ने पकड़ी रफ्तार, उप्र में कोहरा

चैन्नई. एजेंसी

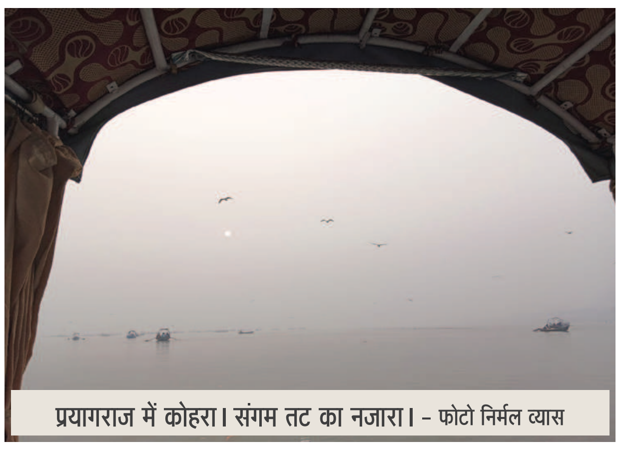

प्रयागराज में कोहरा। संगम तट का नजारा। - फोटो निर्मल व्यास

चक्रवात फेंगल तेज हो गया है और मौसम विभाग के अनुसार, इसके शनिवार की सुबह तमिलनाडु और पुडुचेरी के तट से टकराने की आशंका है। इस चक्रवात के चलते तमिलनाडु के तटीय इलाकों में अगले दो-तीन दिनों तक भारी बारिश की आशंका है। सरकार ने आज स्कूल-कॉलेज बंद कर दिये हैं। वहीं तटीय इलाकों में शुक्रवार सुबह से ही बारिश शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी पर बना कम दाब का क्षेत्र चक्रवात में तब्दील हो गया है और इसके 30 नवंबर की सुबह तमिलनाडु और पुडुचेरी के तट से टकराने की आशंका है। इस दौरान 45-55 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। हालांकि इस चक्रवात के किसी बड़े तूफान में बदलने की कम ही आशंका है। किसी बड़े नुकसान की आशंका नहीं है। **उधर उप्र** और उत्तराखंड में कडाके की ठंड पडने के आसार हैं। आज से पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने से प्रदेश के हिमालयी क्षेत्रों में हल्की वर्षा हो सकती है. उप्र में भी बनारस,इलाहाबाद में ठंड तेज हो गई है और सुबह व शाम गहरा कोहरा बन रहा है।

इजरायल सीज फायर के बाद भी भिड़ा, कई जगह अटैक

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच 60 दिनों के सीजफायर को लागू हुए दो दिन हो चुके हैं लेकिन दो दिनों के भीतर ही सीजफायर के उल्लंघन के मामले आ रहे हैं। इजरायली सेना का कहना है कि कुछ संदिग्धों के गाड़ियों के काफिले को दक्षिणी लेबनान की ओर जाते देखा गया, जिस वजह से उन्होंने हमला किया। हिज्बुल्लाह ने सीजफायर की शर्तों का उल्लंघन किया है, जिस वजह से हमने दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों में अटैक किया। लेबनान सेना ने इजरायल पर आरोप लगाया है कि नेतन्याहू की सेना ने कई बार सीजफायर का उल्लंघन किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हिज्बुल्लाह ने कहा है कि हमारी उंगलियां ट्रिगर पर रखी हुई हैं और हम लेबनान की सीमा के पार भी इजराइली सेना की वापसी पर नजर रखेंगे। अमेरिका और फ्रांस की मध्यस्थता से हुए सीजफायर समझौते की शर्तों के तहत हिज्बुल्लाह के लड़ाकों और इजरायली सेना को इन 60 दिनों के भीतर पूरी तरह से दक्षिणी लेबनान से पीछे हट जाना है. इसके बाद लेबनान की सेना और संयुक्त राष्ट्र के शांतिदूत इन इलाकों में तैनात होंगे।

सिध्दू की पत्नी से ठगी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर के साथ दो करोड़ की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। उन्होंने निजी सहायक , एक एनआरआई और उनके सहयोगियों पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं। मामला प्राइम लोकेशन पर स्थित शोरूम की खरीद-फरोख्त से जुड़ा है। पुलिस से शिकायत में कहा है कि उनके निजी सहायक ने बताया कि एक एनआरआई अमृतसर के पॉश एरिया रंजीत एवेन्यू क्षेत्र में शोरूम बेचना चाहता है। इस पर विश्वास करते बात फाइनल की। एनआरआई के खाते में एडवांस के तौर पर राशि ट्रांसफर कर दी। बाद में पता चला कि शोरूम की कोई डील नहीं हुई।

समुद्र में दो बोट पर मिली भारी मात्रा में ड्रग्स

नई दिल्ली। श्रीलंकाई नौसेना की सूचना पर भारतीय नौसेना ने भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद की है। सूचना था कि दो बोट्स श्रीलंकाई झंडे के साथ अरब सागर में हैं। इन पर ड्रग्स होने की जानकारी है। श्रीलंकाई नौसेना के साथ कॉर्डिनेशन में एंटी-ड्रग्स ऑपरेशन को चलाया। सर्विलांस के लिए इंडियन नेवी के लॉन्ग रेंज मैरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट, रिमोटली पायलेटेड एयरक्राफ्ट को समंदर में इन बोट्स को खोजने भेजा।

मेट्रो एंकर आईसीसी ट्रॉफी कहां और कैसे कराएंगे इस दुविधा को सुलझाने बैठक

रेत पर होगा क्रिकेट..शह-मात का सियासी पेंच और चैंपियंस ट्रॉफी

चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर लंबे समय से बीसीसीआई और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड आमने सामने हैं, लेकिन भारत सरकार के टीम इंडिया को किसी भी हाल में पाकिस्तान न भेजने के सख्त रुख के बाद मामला पेचीदा हो गया है। समस्या भले ही जटिल नजर आ रही हो फिर भी सच तो यही है कि अब अगले साल यानी 2025 फरवरी मार्च में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की मेजबानी खतरे में पड़ गयी है। वैसे तो पहले ही बीसीसीआई के टीम इंडिया को पाकिस्तान नही भेजने के ऐलान के बाद ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बोर्ड ने भी पाकिस्तान की मेजबानी के खिलाफ भारत का समर्थन कर दिया था, लेकिन साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड का रुख साफ नहीं था। अब आज आईसीसी बीसीसीआई और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ मीटिंग करेगा।

आलोक गोस्वामी

भले ही आईसीसी में हाल फिलहाल में इस विषय पर चर्चा की बात कही जा रही हो ,लेकिन सच तो यह है कि अगर भारत सरकार ने टीम इंडिया के पाकिस्तान नहीं भेजने का फैसला सुना दिया है तो फिर चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान को किसी भी हाल में नहीं मिलने वाली है। हालांकि आईसीसी आज चैंपियंस ट्रॉफी कहां और कैसे कराई जाए इस दुविधा को सुलझाने के लिए बैठक करेगा। सबसे पहला तरीका यह माना जा रहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया जाए, जिसमें अधिकतर मैच पाकिस्तान में हों, लेकिन जिन मैच में भारत खेलेगा वे मैच पाकिस्तान के बाहर हों। दूसरा विकल्प यह कि पूरा टूर्नामेंट ही पाकिस्तान के बाहर कराया जाए लेकिन इसके मेजबानी राइट्स पीसीबी के पास ही रहेंगे। तीसरा विकल्प यह कि पूरा टूर्नामेंट पाकिस्तान में बिना भारतीय टीम के कराया जाये। पहले दो विकल्पों पर तो चैंपियंस ट्रॉफी संभव है, लेकिन बिना टीम इंडिया के कोई भी वर्ल्ड क्रिकेट टूर्नामेंट के आयोजन की कल्पना आईसीसी नहीं कर सकता, क्योंकि इससे टूर्नामेंट के आर्थिक और व्यावसायिक पहलू पर प्रभाव पड़ेगा। दिलचस्पी सिर्फ इस बात की रह गई है कि 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी का मौका किसको मिलता है। वैसे जब भी भारत और पाकिस्तान के बोर्ड इस मामले में तथाकथित आमने सामने होते हैं, तो फिर दोनों की सहमति यूएई पर हो जाती है। कहने को यह फैसला भले ही दोनों बोर्डो की आपसी सहमिति का नजर आता है लेकिन यह बात सभी भलीभांति जानते हैं कि इस फैसले में बीसीसीआई की दादागिरी व पाकिस्तान बोर्ड की लाचारी साफ झलकती है। मतलब साफ है पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को मीटिंग में शह और मात के अलावा कुछ हासिल नहीं होने वाला है।

भोपाल में ठंड का 26 साल का रेकॉर्ड टूटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी में मौसम का मिजाज सर्द बना हुआ है। भोपाल में ठंड का 26 साल का रेकॉर्ड टूट गया। यहां नवंबर में अमूमन पारा 11-12 डिग्री रहता है। इस बार 8 से 10 डिग्री पहुंच गया। शुक्रवार को तापमान में हल्की गिरावट आ सकती है।

इज्तिमा : 1 लाख लोगों की आमद, रास्ते जाम

भोपाल, दोपहर मेट्रो। इज्तिमा स्थल पर देर रात तक लोगों की आवाजाही रही। देर रात तक करीब एक लाख लोगों ने आमद दी। डीआईजी बंगला, करोद से लेकर मृदा संस्थान तक रूट खचाच भरा रहा। यहां कुछ स्थानों पर बैरीकेटिंग है।

संत हिरदाराम नगर में रैनबसेरे की जरूरत

खुले स्थानों पर ठंड में रात गुजारने की बनी मजबूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कड़ाके की ठंड के बीच अब बेसहारा लोगों को रैनबसेरे की जरूरत है लेकिन कई स्थान पर खुले में रात काटने की मजबूरी है। नगर निगम के बैरागढ़ जोन ऐसे ही स्थानों में हैं जहां एक भी रैन बसेरा नहीं है। ऐसे में गरीब एवं बेसहारा लोगों के लिए रेलवे स्टेशन, आरक्षण केंद्र एवं फुटपाथ ही आसरा बने हुए हैं। सर्दी लगातार बढ़ रही है, पर अभी तक अलाव की व्यवस्था भी नहीं की गई है। कड़ाके की ठंड शुरू हो चुकी है। आने वाले दिनों में पारा और लुढ़कने की संभावना है। ऐसे में बेसहारा, गरीब बुजुर्गों के पास खुले आसमान में रात बिताने का अलावा कोई विकल्प नहीं है। बैरागढ़ जोन में वार्ड क्रमांक तीन, चार एवं पांच हैं। किसी भी वार्ड में रैन बसेरा नहीं है।

पिछले साल नगर निगम ने थद्धाराम ज्ञानचंदानी सामुदायिक भवन में अस्थायी रैन बसेरा बनाया था। सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से यहां चादर एवं गद्दों की व्यवस्था की गई थी। इस बार अभी तक यह व्यवस्था नहीं की गई है।

हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन के आरक्षण केंद्र परिसर में बुजुर्ग ठंड से बचने के लिये आश्रय लेते नजर आते हैं। यहां रात गुजारना उनकी मजबूरी है। स्टेशन के टिकट काउंटर के पास भी देर रात को बेसहारा लोग सोते नजर आते हैं। बैरागढ़ मेन रोड पर रात्रि करीब 11 बजे कपड़े की दुकानें बंद होती हैं। दुकानों के सामने खाली जगह पर भी मुसाफिर एवं बेसहारा लोग पनाह लेते हैं। सिविल अस्पताल के गेट के पास भी अस्थायी आश्रय स्थल नजर आता है।

हलालपुर बस स्टैंड पर सिर्फ 15 बेड

नगर निगम ने पांच साल पहले हलालपुर बस स्टैंड पर सामुदायिक आश्रय स्थल बनाया था। जोन क्रमांक 20 में शामिल इस रैन बसेरे में 15 बेड हैं। बस स्टैंड पर रात के समय कई कई गरीब यात्री भी बसों से उतरते हैं। दिसंबर से फरवरी माह तक यहां लोगों को रात गुजारने के लिए जगह नहीं मिलती। बैरागढ़ एवं गांधीनगर बस स्टैंड के पास भी नया रैन बसेरा बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है। ननि अफसरों का कहना है कि बैरागढ़ के थद्धाराम कम्युनिटी हॉल में जल्द ही अस्थायी रैन बसेरा बनाया जाएगा। हॉल अभी खाली है। यहां दो कर्मचारी भी तैनात किए जाएंगे, ताकि बेसहारा लोगों को कोई परेशानी नहीं हो।

मंत्रालय कर्मचारियों ने कहा

हमें साइबर ठगों से बचाएं हमारा डेटा लेने की कोशिश कर रहे

एसीएस होम व जीएडी को लिखित में बताई समस्या

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

साइबर ठगों से हर वर्ग के लोग परेशान है। खासकर वे लोग जिनके काम सार्वजनिक जीवन में ज्यादातर लोगों को दिखाई देते हैं। ऐसे लोगों के डेटा पर साइबर ठगों की नजर है। ठग ऐसे लोगों को ट्रेस कर रहे हैं और जाल में फंसाने की कोशिशें कर रहे हैं। अब तक लाखों लोगों को शिकार बना रहे हैं। इन ठगों के तरीकों से लोग धीरे-धीरे वाकिफ होने लगे हैं। इसी का नतीजा है कि मंत्रालय के कर्मचारियों ने एसीएस होम और जीएडी को लिखित शिकायत की और ठगों से बचाने की मांग की है।

मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के सुधीर नायक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन देकर अधिकारियों को बताया कि उनके पास लगातार अनजान नंबरों से फोन आ रहे हैं। जिसमें कॉल करने वाले सिम बंद करने की धमकी दे रहे हैं। कहते हैं कि यदि सिम को बंद होने से बचाना हो तो दी गई लिंक पर क्लिक करो। वे इसके पीछे सिम कार्ड के लिए जरुरी जानकारी अपडेट कराने का झासा दे रहे हैं। ठगी के प्रयास करने के दूसरे तरीके भी अपना रहे हैं। कर्मचाारी संगठन के प्रमुख सुधीर नायक का कहना है कि उनके पास जो सिम हैं वे शासन के पास पंजीकृत है, ज्यादातर उन्हीं सिम कार्ड पर फोन भी आ रहे हैं, जिससे यह आशंका है कि किसी ने सरकारी डेटा लीक किया है।

शिकायत में यह भी बताया कि सायबर ठग वल्लभ भवन के नाम का गलत उपयोग कर रहे है। पिछले दिनों एक डिजिटल अरेस्ट जैसी वारदात को अंजाम देने की कोशिश हुई थी। उस मामले में भी ठग ने खुद को वल्लभ भवन का अधिकारी बताकर संबंधित को झांसे में लेने की कोशिश की थी।

पार्किंग ठेका कंपनी की जमानत राशि जब्त करेगा रेलवे

भोपाल. भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 के बाहर पार्किंग व्यवस्था संभालने वाले ठेकेदार को भोपाल रेल मंडल ने अल्टीमेटम जारी किया है। रेलवे सलाहकार समिति की शिकायत एवं 6 महीने के अंदर ठेका सरेंडर करने के मामले को गंभीरता से लिए लेते हुए रेलवे प्रशासन ने ठेका कंपनी की गारंटी राशि जब्त करने की चेतावनी दी है। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि मेट्रो कंस्ट्रक्शन एवं अन्य कंस्ट्रक्शन की वजह से उत्पन्न हुए डायवर्सन के कारण ठेका सरेंडर किया जाना उचित नहीं है। ठेकेदार ने हाल ही में यह कहते हुए काम बंद कर दिया है कि ट्रैफिक डायवर्जन की वजह से स्टैंड पर गाड़ियों का आना बंद हो गया।

आरएसके में इंटर एक्टिव पैनल खरीदी में गड़बड़ी की शिकायत पहुंची पीएम ऑफिस और ईओडब्ल्यू, जांच शुरू

मामले में ईओडब्ल्यू ने राज्य शिक्षा केंद्र किया ब्यौरा तलब, संबंधित अधिकारी को भी बुलाया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा सरकारी स्कूलों की स्मार्ट क्लासेज में उन्नत शिक्षा के लिए इंटर एक्टिव पैनल खरीदी में गड़बड़ी की शिकायत आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ तक पहुंचने के बाद मामले में ईओडब्ल्यू ने राज्य शिक्षा केंद्र ब्यौरा तलब किया है। इसको लेकर ईओडब्ल्यू ने राज्य शिक्षा केंद्र को पत्र लिखा है। जानकारी के साथ संबंधित अधिकारी को भी बुलाया गया था। मामले की शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय तक भी पहुंची है। शिकायतकर्ता विजय शर्मा ने इसमें कहा है कि मप्र के सभी जिलों के स्कूलों की स्मार्ट क्लासेज में उन्नत शिक्षा के लिए केंद्र शासन द्वारा इंटर एक्टिव पैनल खरीदे जाने है। इंटर एक्टिव पैनल क्रय करते समय भ्रष्टाचार पर नियमंत्रण के लिए मप्र राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा केंद्रीयकृत खरीदी के स्थान पर राज्य स्तरीय समिति का गठन कर उच्च गुणवत्तापूर्ण इंटर एक्टिव पैनल क्रय करने क लिए उन्नत मापदंडो के चयन के लिए जिला स्तर पर निविदाएं आमंत्रित करने की अनुशंसा की थी। जिसके संचालक मप्र राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा मूल भावना को छेड़छाड़ कर निचले स्तर के स्पेसिफिकेशन राज्य स्तर पर ही निर्धारित कर दिए। जिसकी शिकायत ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चर्स द्वारा की गई है, लेकिन उक्त को पूरी तरह नकार घटिया स्पेसिफिकेशन वाली कंपनी का चुनाव कर दिया गया है। राज्य स्तरीय समिति के निर्देशों का भी उल्लंघन किया गया। शिकायतकर्ता ने मामले में निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए दोषियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

राजस्व महाअभियान 3.0 में भोपाल फिसड्डी

भोपाल, दोपहर मेट्रो. राजस्व महाअभियान 3.0 में भोपाल को 17वीं रैंक मिली है। गुरुवार को ये रैंक जारी हुई। नक् शों का बटांकन, खसरा नंबरों को आधार से जोड़ना, फार्मर रजिस्ट्री जैसे बिंदुओं पर काम बेहद लचर है। बंटाकन में तो 1.61 लाख लक्ष्य की तुलना में महज 2316 ही प्रकरण निराकृत हो पाए। खसरों को आधार से जोड़ने का काम भी तय लक्ष्य से महज 0.70 फीसदी ही हो पाया। कोलार और हुजूर में आधार से खसरे को लिंक करने का काम एक फीसदी भी नहीं हुआ है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार बनाएगा राज्य शिक्षा केंद्र बजट, जिलों को आदेश जारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राज्य शिक्षा केंद्र ने वर्ष 2025-26 के बजट को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस संबंध में संचालक राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिला कलेक्टरों के पत्र लिखा है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि प्रदेश में नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार वर्ष 2025-26 का बजट बनाया जाएगा। पत्र में कहा गया है कि समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत प्रारंभिक शिक्षा एवं शिक्षक शिक्षा) जिला स्तर पर वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2025-26 निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। बैठक आयोजित कर जिला स्तर पर वार्षिक कार्य योजना एवं बजट वर्ष 2025-26 के निर्माण का कार्य भारत शासन द्वारा समग्र शिक्षा अभियान योजना निर्माण में एनईपी 2020 के फ्रेमवर्क के मापदंडों के अनुरूप योजना तैयार किया जाना है। योजना निर्माण में जिला स्तरीय कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा एवं योजना निर्माण का प्रयोजन बैठक में

वार्षिक कार्य योजना एवं बजट वर्ष 2024-25 में स्वीकृत समस्त गतिविधियों के क्रियान्वयन की समीक्षा कर अपूर्ण एवं अप्रारंभ गतिविधियों समय सीमा में पूर्ण की जाए। 19 नवंबर तक टीमों के गठन की कार्यवाही की जाएगी। जिला, ब्लाक एवं संकुल स्तर पर गठित टीमों की बैठक आयोजित कर वर्ष 2025- 26 के लिए वार्षिक कार्य योजना तैयार की जाए।

आंध्र की सामुदायिक व महाराष्ट्र की नई खेती तकनीक अपनाएगा मप्र

– मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद मंत्री नारायण सिंह कुशवाह और राज्यमंत्री पटेल ने नागपुर का दौरा किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो। आंध्रप्रदेश की सामुदायिक प्राकृतिक खेती और महाराष्ट्र की नई तकनीक को खेती के क्षेत्र में मप्र अपनाएगा। दोनों पर मप्र काफी आगे बढ़ चुका है। नीति आयोग के संवाद कार्यक्रम में आंध्रप्रदेश के अधिकारियों ने मप्र के अधिकारियों के साथ पूरी रूपरेखा साझा की है तो उधर मुख्यमंत्री के निर्देश पर मंत्री नारायण सिंह कुशवाह और राज्यमंत्री लखन पटेल नागपुर का दौरा कर लौट चुके हैं। ये दोनों मंत्री खेती के क्षेत्र में महाराष्ट्र द्वारा अपनाई जा रही नई तकनीकों की जानकारी लेने गए थे।

खाद, कीटनाशक से हर प्रदेश परेशान

आंध्रप्रदेश उद्यानिकी विभाग के उप निदेशक श्रीनिवासुलु गुरुवार को मप्र दौरे पर थे। उन्होंने राज्य नीति आयोग द्वारा आयोजित संवाद में सहभागिता की और आंध्रप्रदेश में सामुदायिक प्राकृतिक खेती के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि कम लागत और स्थानीय संसाधनों का उपयोग से प्राकृतिक खेती को किसानों के लिए आकर्षक बनाया जा रहा है। दूसरे राज्य इसका अनुशरण भी कर रहे हैं। यह खाद व कीटनाशकों के बिना उपज लेने का अच्छा तरीका है।

इसलिए चिंता

मप्र में खाद व कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोगों ने न केवल जमीन का उपजाऊपन खत्म किया है बल्कि फल, सब्जी से लेकर अनाजों को बुरी तरह प्रभावित किया है। लोग परेशान हैं और इन खाद व कीटनाशकों के उपयोग से उगाए अनाज व अन्य उत्पादों को नकारने लगे हैं। अब जैविक व प्राकृतिक पद्धति से होने वाली खेती व उसके उत्पादों को पसंद किया जाने लगा है।

विशेषज्ञों ने दिए ये सुझाव

जिसे देखते हुए नीति आयोग की कार्यशाला में विशेषज्ञों ने सुझाव दिए कि प्रदेश को प्राकृतिक खेती में अग्रणी राज्य बनाने के लिए उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केट कनेक्टिविटी को बढ़ाया जाना चाहिए। महिला किसानों और स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देकर कम्युनिटी मॉडल अपनाए जाना चाहिए। प्राकृतिक खेती के लिए मानकों और प्रमाणन की प्रक्रिया को सरल बनाया जाना चाहिए। जिस पर अधिकारियों ने सहमति दी है।

महाराष्ट्र में सीएनजी से चलने वाला ट्रैक्टर

नागपुर में राष्ट्रीय एग्रोविजन कृषि मेले के आयोजन में मुख्यमंत्री ने 22 नवंबर को हिस्सा लिया था। तब उनके संज्ञान में आया था कि महाराष्ट्र के अंदर किसान सीएनजी से चलने वाले ट्रैक्टर का उपयोग करने लगे हैं तो फसलों की निगरानी, उनमें छिड़काव और कीट-पतंगों से निपटने के लिए ड्रोन तकनीकी भी अमल में लाई जा रही है। इसके अलावा भी महाराष्ट्र कई नवाचार कर रहा है, जिसके चलते कम खर्चे में किसानों की आमदनी बढ़ी है। तभी मुख्यमंत्री ने कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जयसवाल और पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल को एग्रोविजन में हिस्सेदारी लेकर नवाचारों को समझने और उन उसके बाद रिपोर्ट देने को कहा था। जिसके बाद मंत्री कुशवाहा और पटेल एग्रोविजन मेले के साथ-साथ महाराष्ट्र का दौरा करके लौट गए हैं।

पर्यावरण संकट के बीच मप्र को मिला 4100 मेगावाट के नए प्लांटों के लिए कोयला आवंटन

– कोयले की राख से ही क्षेत्र का बिगड़ जाता है पर्यावरण संतुलन, नदी-नाले हो जाते हैं जाम

– तालाबों को भी गंभीर खतरा, इस बीच मप्र में लगाए जाने हैं नए थर्मल पावर प्लांट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पर्यावरण संकट के बीच मप्र को नया कोल आवंटन मिला है, यह 5 साल बाद मिला है। इसकी मदद से करीब 4100 मेगावाट बिजली तैयार की जाएगी। जिसे उद्योगों की जरुरत में दी जाएगी। बची हुई बिजली को नेशनल ग्रिड को भेजी जाएगी। इससे मप्र को कमाई होगी। उक्त कोल आवंटन के बाद लगने वाले प्लांटों से मप में करीब 25 हजार करोड़ों का निवेश आएगा। राज्य की आर्थिक स्थिति में मजबूती दिखना तय है। इतना ही नहीं, प्रदेश को इन प्लांटों से न केवल उद्योग, घरेलू एवं कृषि सिंचाई के लिए बिजली मिलेगी, बल्कि हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार भी मिलेगा। 2019 में मप्र को 1360 मेगावाट का को आवंटन मिला था। हालांकि मप्र के पास थर्मल पावर, सोलर और हाईड्रो पावर प्लांट है। इन सभी से प्रदेश को उसकी जरुरत की बिजली मिल रही है। खरीफ के सीजन में तो कई बार जरुरत से अधिक बिजली हो जाती है, जिसे नेशनल ग्रिड को देनी पड़ती है। केंद्र से कोल आवंटन की मंजूरी देने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खुशी जताई। यह भी कहा कि इस आवंटन से प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। प्रदेश में जो उद्योग स्थापित होंगे, उन्हें जरुरत की बिजली उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने कहा कि मप्र तेजी से औद्योगिक निवेश लाने की दिशा में काम कर रहा है। जिस तरह रिस्पांस मिल रहा है उससे तय है कि आने वाले समय में बिजली की अधिक मांग होगी। मप्र ने अभी से उसका आंकलन करते हुए कोल आवंटन की मांग की थी, जिसे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्वीकृति मिल गई है। यह आवंटन मप्र के लिए सुपर पावर का काम करेगा।

मप्र को लंदन में 60 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव

सीएम ने कहा- सार्थक रही इंग्लैंड यात्रा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव की लंदन यात्रा के दौरान वहां के निवेशकों ने मध्य प्रदेश में आईटी, सेमीकंडक्टर, नवकरणीय ऊर्जा, खनन, खाद्य प्रसंस्करण सहित अन्य क्षेत्र में निवेश के लिए रुचि दिखाई है। लगभग 60 हजार करो? रुपये के निवेश प्रस्ताव चिकित्सा, उद्योग, माइनिंग, सर्विस सहित अन्य क्षेत्रों में मिले हैं।

यादव ने लंदन यात्रा के अंतिम दिन विभिन्न उद्योगपतियों के अलावा फ्रेंडस ऑफ एमपी चैप्टर के प्रतिनिधियों के साथ संवाद कर मध्य प्रदेश में उन्हें निवेश के लिए प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही सभी को सात-आठ फरवरी 2025 को भोपाल में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भाग लेने के लिए आमंत्रण दिया। उन्होंने इंडोरामा ग्रुप, एसआरएएम एंड एमआरएएम ग्रुप, सायनकाननोड, हाइब्रिड एयर व्हीकल्स लिमिटेड, कैपरो, क्लिनीसप्लाइज, औरोरा एनर्जी रिसर्च, एल्सेवियर, वीडिलीवर, वेवसाइट, द मोंटकैल्म लग्जरी होटल्स सहित विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से चर्चा की। इसमें निवेशकों को मध्य प्रदेश में अनुकूल व्यावसायिक माहौल और निवेश के लिए उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। लंदन में स्थानीय मीडिया से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिका हो या जर्मनी, उद्योग-धंधे विकास का मूल आधार हैं। यहां कई सारे भारतवंशी मित्रों के साथ मुलाकात हुई, जो वर्षों पहले भारत से इंग्लैंड में आकर बस गए थे और यहां विभिन्न क्षेत्रों में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं।

सीएम यादव से भोपाल में आई हब और अंतरराष्ट्रीय एयर कनेक्टिविटी की मांग

लंदन में भारतीयों से मुलाकात

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के विकास और एयर कनेक्टिविटी को लेकर काम कर रही संस्था एयर कनेक्टिविटी फॉर भोपाल डेवलपमेंट (एएफबीडी) फाउंडर आबिद फारूकी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से उनके लंदन प्रवास के दौरान में वन टू वन चर्चा की। इस दौरान शहर को आई हब बनाने के प्रस्ताव और एयर कनेक्टिविटी को लेकर विस्तार पूर्वक बात हुई। आबिद ने बताया की लम्बे समय से भोपाल से अंतेर्राष्ट्रीय उड़ान शुरू करने की मांग लगातार बढ़ रही है। लिहाजा उन्होंने भोपाल से दुबई, शारजाह और हॉन्गकोंग को लेकर अंतराष्ट्रीय उड़ाने शुरू करने पर ज़ोर दिया। इसके साथ भोपाल से कोलकाता, चिन्नई और गुवाहाटी रूट्स की फ्लाइट्स को जल्द शुरू करने की मांग भी की गई। फारूकी ने भोपाल मे आई टी कंपनी स्टार्ट-अप को लेकर प्रस्ताव रखा जिसमे भोपाल मे आई-टी सेक्टर मे रोड़गार, स्किल एंड एडवांस

डेवलपमेंट ट्रेनिंग के साथ फ्रेश इंजीनियर ग्रेजुएट्स को कैंपस प्लेसमेंट मुहैया कराये जाएंगे। सीएम ने आश्वस्त किया की इस विषय पर सम्बंधित एयरलाइन्स के साथ चर्चा की जाएगी. उन्होंने बताया कि भोपाल से अंतेर्राष्ट्रीय उड़ाने शुरू करने के लिए सभी तैयारियां आड़िखरी चरण में हैं। मुख्यमंत्री से फ्रेन्ड्स ऑफ एमपी चैप्टर संग संवाद में मप्र में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया।

25 हजार करोड़ का निवेश लाने बनेंगे नए थर्मल पावर प्लांट

भोपाल. प्रदेश में 25 हजार करोड़ से 4100 मेगावाट के नए थर्मल पावर प्लांट लगाए जाएंगे। केंद्र ने इन प्लांटों की जरूरत का कोयला देने की स्वीकृति दी है। सरकार नए प्लांट के लिए टेंडर जारी करेगी। प्रदेश को इन प्लांटों से उद्योग, घरेलू व सिंचाई के लिए बिजली मिलेगी। हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। प्रदेश को इसके पहले 2019 में केंद्र ने कोल आवंटन दिया था। तब 1360 मेगावाट आवंटन के लिए मंजूरी मिली थी। अब जो आवंटन मिला है वह 4100 मेगावाट के लिए है। मुख्यमंत्री जर्मनी दौरे पर हैं।

जीत का लड्डू

भोपाल। मप्र कांग्रेस मुख्यालय में विजयपुर से नवनिर्वाचित विधायक मुकेश मल्होत्रा का जोरदार स्वागत किया गया। अध्यक्ष जीतू पटवारी और कांग्रेसजनों ने स्वागत करते हुये कांग्रेस नेतृत्व, विजयपुर की जनता का आभार जताया और एक दूसरे को जीते के लड्डू खिलाए। पटवारी ने कहा कि संगठन की सामूहिकता के चलते यह जीत मिली है। मुकेश मल्होत्रा ने भी कार्यकर्ताओं समेत अध्यक्ष पटवारी को धन्यवाद दिया व चुनाव के दौरान निर्वाचन आयोग तक गड़बड़ियों की शिकायत तत्परता से पहुंचाने के लिये चुनााव कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया का भी आभार जताया।

रेवड़ियों की मिठास के पीछे छिपी कड़वाहट समझें

संपादकीय

ईवीएम से शिकायतें व चुनाव

देश में लंबे समय से चुनाव मतपत्रों से कराने की मांगे राजनीतिक तौर पर ज्यादा उठ रही हैं। दरअसल, ईवीएम को खारिज कर पुरानी प्रणाली की ओर लौटने की मांग उठी है और महाराष्ट्र चुनाव में कुछ घटनाओं का जिक्र कर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन झारखंड के नतीजों का तर्क सामने आते ही वे बेमानी हो गए। दरअसल, अब तक ऐसा अकाट्य प्रमाण सामने नहीं लाया जा सका है, जिससे कहा जा सके कि वर्तमान प्रणाली किसी अपूरणीय कमी से ग्रस्त है और बड़े बदलाव की जरूरत है। इससे पहले भी शीर्ष अदालत ने ईवीएम यानि इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन के माध्यम से डाले गए मतों के सौ फीसद सत्यापन की मांग को ठुकरा दिया था। अदालत ने तब ही स्पष्ट कर दिया था कि मतपत्रों की ओर लौटना वास्तव में प्रतिगामी होगा और चुनाव प्रक्रिया में मतपत्रों से जुड़ी जो गड़बड़ियां खत्म की जा चुकी हैं, वे दोबारा सामने आ जाएंगी। भारतीय लोकतंत्र इस बात का साक्षी रहा है कि हमेशा लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग सूझबूझ और विवेक के साथ किया है। उदाहरण के लिए, कई राज्यों में बार-बार देखा गया है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए लोग अलग-अलग राजनीतिक दलों के लिए मतदान करते हैं, भले ही चुनाव एक साथ ही क्यों न हों। ऐसे में सवाल क्यों उठ रहे हैं। यहीं सरकारी संस्थानों की शुचिता की बात आ जाती है। अक्सर चुनाव आयोग पर सवाल उठे। विपक्ष की शिकायतों पर सुनवाई करने के नाम पर साफ दिखा कि प्रक्रिया का पालन तो किया गया, लेकिन मुद्दों को लेकर गंभीरता कम रही। उधर विपक्ष को मौका मिला आयोग पर सवाल उठाने का, जिससे शक बढ़ा। मतदान के आंकड़ों में बार-बार बदलाव, मतदान के दिन कई शिकायतों को ठंडे बस्ते में डाल दिए जाने की खबरों से संदेह तो बढ़ता ही है। इस बार महाराष्ट्र में ईवीएम के 90 फीसद चार्ज रहने का मुद्दा विपक्ष ने उठाया। यह मुद्दा राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित रह गया। कमोबेश यही बात हरियाणा के चुनाव में भी उभरी थी। चुनाव आयोग हर बार तकनीकी पक्ष को लेकर बयान दे देता है। आयोग का कहना है कि ईवीएम को विश्वसनीय बनाने के लिए अनेक उपाय किए गए हैं। दावों-प्रतिदावों को छोड़ उचित यह होगा कि विपक्ष ईवीएम में हेरफेर के बारे में अपनी पुरानी बयानबाजी छोड़ दे और उन संभावित राजनीतिक कारणों पर विचार करे जो उसकी चुनावी हार का कारण बन रहे हैं। चुनाव सुधारों पर बात होनी चाहिए, जो सतत प्रक्रिया है। इसमें सभी राजनीतिक दलों की भागीदारी होनी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल या गठबंधन को अपने मुद्दे तय करने, उनको लेकर जनता में जाने की जरूरत होती है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनता के बीच जाना मुख्य शर्त है। दूसरे,सुप्रीम कोर्ट अथवा निर्वाचन आयोग मतपत्रों से चुनाव की बात फिलवक्त में स्वीकार नहीं करेगा, यह तो जाहिर है। यह और बात है कि दुनिया के कई देशों ने ईवीएम से किनारा कर लिया है। लेकिन भारत अभी बाकी दुनिया की राह पर नहीं चलना चाहता। समय और संसाधन की बचत जैसे तर्क ईवीएम के पक्ष में दिए जाते हैं। ऐसे में यह मुद्दा खड़ा हो जाता है कि समय और संसाधन बचाते हुए हम लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े कुछ सवालों की कहीं अनदेखी तो नहीं कर रहे? इसलिये होना तो यही चाहिये कि चुनाव आयोग हर पक्ष की शिकायतों को समाधान करने के लिये तत्पर रहे, ताकि आमजन और सियासी दलों को संदेह करने का कारण न बचे।

■ **विश्वनाथ सचदेव**

किसको किसने कितनी रेवड़ियां बांटी, यह सवाल भले ही किसी लंबी-चौड़ी गणना की अपेक्षा करता हो, पर यह बात सब मान रहे हैं कि हाल के चुनावों में खूब रेवड़ियां बंटी। नहीं, चुनावों में विभिन्न राजनीतिक दलों या प्रत्याशियों द्वारा मतदाता को चुपचाप बांटे जाने वाले रुपयों की बात नहीं है, बल्कि उन रेवड़ियों की बात हो रही है जिन्हें बांटने वाले लंबी-चौड़ी घोषणाओं के साथ बांटते हैं। चुनाव-परिणाम का विश्लेषण करने वाले जिस एक बात पर सहमत दिखाई देते हैं, वह यह है कि इन रेवड़ियों ने परिणामों पर निर्णायक प्रभाव डाला है। ऐसी ही एक रेवड़ी को महाराष्ट्र में 'लाड़की बहीण' के नाम से जोड़ा गया है और झारखंड में इसे 'मंइयां सम्मान योजना' नाम दिया गया है।

भाजपा का दावा है कि सबसे पहले मध्य प्रदेश में 'लाड़ले मामा' ने अपनी 'लाड़ली बहनों' को प्रतिमाह नकद राशि देने की घोषणा की थी, और इसे चुनाव-परिणामों पर निर्णायक प्रभाव डालने वाला कदम बताया गया था। अब महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली 'महायुती' ने ऐसा ही किया और यह दावा किया जा रहा है कि महाराष्ट्र की जीत में इसका सर्वाधिक महत्वपूर्ण हाथ रहा है। वैसे महाराष्ट्र की 'महाअगाड़ी' ने भी भाजपा के 1500 रुपये प्रति माह के योगदान को बढ़ाकर 3000 करने का वादा किया था, पर मतदाता ने बैंक खाते में जमा हो चुके रुपयों का भरोसा करना बेहतर समझा। कहा तो यह भी जा रहा है कि महाराष्ट्र के चुनावों को दो माह इसलिए टाला गया था कि महिलाओं के बैंक खातों में 'रेवड़ियां' पहुंच जाएं तो बेहतर परिणाम आएगा।

बहरहाल, कारण और भी हो सकते हैं, पर इससे परिणाम पर 'रेवड़ियों' के असर का महत्व कम नहीं हो जाता। यह रेवड़ियां बांटना कोई नयी बात नहीं है। शायद इसकी शुरुआत बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्य की लड़कियों को साइकिलें बांटने से हुई थी। फिर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तो बिजली, पानी, आदि मुफ्त बांटकर जैसे एक नयी परंपरा ही शुरू कर दी थी रेवड़ियां बांटने की ! बिहार, उड़ीसा, कर्नाटक, मध्य

प्रदेश, पंजाब जैसे राज्यों में तो यह काम प्रतिस्पर्धा की तरह हुआ।

ऐसा नहीं है कि इस 'मुफ्तखोरी' की आलोचना नहीं हुई। मतदाता को आर्थिक सहायता देने की इस प्रथा की आलोचना स्वयं प्रधानमंत्री मोदी कर चुके हैं। शायद इस तरह मतदाता को रिझाने की कोशिश को रेवड़ियां बांटने की संज्ञा भी उन्होंने ही दी थी। यह बात दूसरी है कि अब वे स्वयं मतदाता को इस तरह रिझाने के पक्षधर बन गये लगते हैं।

यूं तो चुनाव घोषणापत्रों में जो वादे किये जाते हैं, उन्हें भी मतदाता को दी जाने वाली रिश्वत कहा जा सकता है, पर इस तरह नकद राशि बांटने को किसी और तरह से नहीं समझाया जा सकता। रेवड़ियां बांटने वाले इस रिश्वत को कल्याणकारी राज्य के अनुरूप आचरण बताते हैं। हम भले ही आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक व्यवस्था बनने का दावा करते हों, पर इस हकीकत से मुंह नहीं चुराया जा सकता कि आज हमारे देश की अस्सी प्रतिशत आबादी को सरकार की ओर से मुफ्त अनाज देकर उसका पेट भरा जा रहा है। सरकार भले ही इसे कुछ भी कह ले, पर यह तथ्य यही बताता है कि गरीबी हटाओ के सारे दावों और वादों के बावजूद आज भी स्वतंत्र भारत का नागरिक अपने श्रम से अपनी बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करने लायक नहीं बन पाया है। आज़ादी के शुरुआती सालों में तो यह बात फिर भी समझ आती थी कि नया देश नई चुनौतियों का मुकाबला कर रहा था, हालात सुधारने में वक्त लगना था। पर आज़ाद होने के सत्तर-अस्सी साल बाद भी यदि देश की जनता रेवड़ियों से रिझाई जा सकती है तो इसका सीधा-सा मतलब यही है कि हमारी नीतियों-रीतियों में कहीं कुछ गंभीर गड़बड़ है। हमारी त्रासदी यह भी है कि गड़बड़ी का पता लगाने और उसे ठीक करने की ईमानदार कोशिश करने के बजाय हम रेवड़ियां बांटकर काम चलाना चाहते हैं।

ऐसा नहीं है कि आज़ादी के इन सत्तर-अस्सी सालों में हमने कुछ किया नहीं है। बहुत कुछ अर्जित किया है हमने। चांद-सितारों को छू रहे हैं हमारे हाथ। पर जितना कुछ किया है, उससे कई गुना अधिक किया जाना बाकी है। अपनी उपलब्धियों पर गर्व कर सकते हैं हम, पर हमें यह नहीं भूलना है कि जितना रास्ता हमने पार किया है, उससे कई गुना लंबा रास्ता अभी पार करना बाकी है। विकसित भारत के सपने देख रहे हैं हम, पर हम यह याद रखना नहीं चाहते कि सबका साथ और सबका विकास की चुनौती तभी स्वीकार की जा सकती है जब हमारी कोशिशों में बुनियादी ईमानदारी हो। विकास की सही और सच्ची परिभाषा हमारे सामने हो। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कभी कहा था कि उनका दायित्व देश के हर नागरिक को एक समस्या मानकर उसका समाधान करना है। यह तब की बात है जब देश आज़ाद हुआ था। लगभग 40 करोड़ की आबादी थी तब देश की। आज हम 140 करोड़ हैं। आवश्यकता हर भारतीय के जीवन को विकसित जीवन शैली के अनुरूप बनाना है। और नागरिक की बुनियादी ज़रूरतें पूरी हों। हर नागरिक को विकास का समान अवसर मिले। वह जो सपने देखे उन्हें पूरा करने की उमंग भी हो उसमें। इसका सीधा-सा अर्थ यह है कि हमारे देश का हर नागरिक अपने भारतीय होने पर गर्व करे, उसका विवेक जाग्रत हो, वह गर्व से सिर ऊंचा करके चल सके।

मुफ्त अनाज देकर या लाड़ली बहनों के खातों में हर महीने पंद्रह सौ, दो हज़ार जमा कर के उसे सर ऊंचा करके चलने के लायक नहीं बनाया जा सकता। ऐसे प्रयास सिर्फ भरमाते भर हैं। सक्षम नहीं बनाते। आवश्यकता हर नागरिक को सक्षम बनाने की है। हमारे संविधान ने हमें समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता का अधिकार दिया है तो इसके साथ कुछ कर्तव्य भी जोड़े हैं, जिन्हें निभाना ही एक स्वतंत्र देश का योग्य नागरिक बनने की सबसे महत्वपूर्ण शर्त है। यदि हमें बोलने की आज़ादी मिली है तो उचित बोलने की शर्त भी उसके साथ जुड़ी है; यदि हमें समानता का अधिकार मिला है तो उसके साथ यह कर्तव्य भी जुड़ा है कि हम देश के हर नागरिक को अपने समान समझें; यदि हमें न्याय पाने का अधिकार है तो न्याय का तकाज़ा है कि हम दूसरों के न्याय पाने के अधिकार की भी रक्षा करें। यह सब तभी संभव है जब हम स्वयं में यह क्षमता पैदा कर लेंगे कि रेवड़ियों से हमें भरमाने की कोशिश करने वालों के इरादों को समझ सकें।

जनतंत्र की सफलता और सार्थकता का प्रमाण यही है कि हर नागरिक अपने अधिकारों और दायित्वों के प्रति सावधान हो। सतत जागरूकता ही वह मंत्र है जो हमें जनतंत्र का योग्य नागरिक बनने लायक बन सकता है। रेवड़ियां बुरी नहीं होतीं, पर रेवड़ियां बांटने वाले के इरादों की सच्चाई परखनी ज़रूरी है। राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए बांटी जाने वाली रेवड़ियों की मिठास के पीछे छिपी कड़वाहट को समझना भी ज़रूरी है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आज का इतिहास

- 1516- फ्रांस और स्विट्जरलैंड ने फ्रेईबर्ग शांति समझौते पर हस्ताक्षर किया।
- 1759- दिल्ली के बादशाह आलमगीर द्वितीय की हत्या।
- 1775- सर जेम्स जे ने अदृश्य स्याही का आविष्कार किया।
- 1830- पोलैंड में रूस के शासन के खिलाफ नवंबर विद्रोह शुरू हुआ।
- 1870- ब्रिटेन में आवश्यक शिक्षा कानून लागू हुआ।
- 1889- बेंगलुरू के लालबाग़ गार्डन में 'ग्लास हाउस' की आधारशिला रखी गई।
- 1916- अमेरिका ने डोमिनिकन रिपब्लिक में मार्शल लॉ लगाने की घोषणा की।
- 1944- अलबानिया को नाजी कब्जे से छुड़ाया गया।
- 1947- भारतीय उपमहाद्वीप का विभाजन होने पर निज़ाम ने भारत में शामिल होने की अपेक्षा स्वतंत्र रहना चाहा।
- 1949- पूर्वी जर्मनी में यूरेनियम खदान में विस्फोट से 3700 लोग मरे।
- 1961- दुनिया के पहले अंतरिक्ष यात्री यूरी गागरिन भारत आये।
- 1970- हरियाणा सौ फीसदी ग्रामीण विद्युतीकरण का लक्ष्य पाने वाला पहला भारतीय राज्य बना।
- 1987- कोरियाई विमान फ्लाइट 858 में थाईलैंड-म्यांमार की सीमा के पास विस्फोट में 115 लोगों की मौत।
- 1989- तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गाँधी ने इस्तीफा दिया।
- 1998- कर्नल कुरु बातासयाल के नेतृत्व में भारतीय सैन्य दस्ते ने लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सेना यूनीफ़िश में नार्वे के दस्ते का स्थान ग्रहण किया।
- 1999- महाराष्ट्र के नारायण गाँव में विश्व का सबसे बड़ा मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप खुला।
- 2001- अफ़ग़ान गुट अंतरिम परिषद पर राजी हुए।
- 2004- शिवराज सिंह चौहान- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बने।
- 2006- पाकिस्तान ने मध्यम दूरी वाले मिसाइल 'हत्फ़-4', जिसे शाहीन-द्व भी कहा जाता है, उसका सफल परीक्षण किया।
- 2007- परवेज मुशर्रफ ने असैनिक राष्ट्रपति के रूप में अगले पाँच वर्ष के लिए शपथ ग्रहण की।
- 2008- 60 घंटे आपरेशन के बाद कमांडो ने मुम्बई को आतंकियों से मुक्त कराया।
- 2012 - संयुक्त राष्ट्र महासभा ने फिलीस्तीन को गैर-सदस्य पर्यवेक्षक राज्य का दर्जा दिया।
- 1935- गुरबचन सिंह सालारिया- परमवीर चक्र से सम्मानित हुए का जन्म ।
- 1913- अली सरदार जाफरी- ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध शायर का जन्म ।
- 1869- ठक्कर बाप्पा-अपने सेवा? कार्यों के लिये प्रसिद्ध भारतीय थे का जन्म ।
- 2015- ओटो न्यूमैन- अमेरिकी समाजशास्त्री और शिक्षाविद का का निधन ।
- 2010- इंदिरा गोस्वामी- असमिया साहित्य की सशक्त हस्ताक्षर थीं का निधन ।
- 2008- छबीलदास मेहता- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ तथा गुजरात के नौवें मुख्यमंत्री थे का निधन ।
- 1909 - रोमेश चन्द्र दत्त- प्रसिद्ध बंगला इतिहासकार का देहावसान।
- 2002 - ओंकारनाथ श्रीवास्तव- कवि एवं समाचार प्रसारक का देहावसान।
- 1993 - जेआरडी टाटा- आधुनिक भारत की बुनियाद रखने वाली औद्योगिक हस्तियों में सर्वोपरि का देहावसान।
- 1759- आलमगीर द्वितीय- 16वाँ मुगल बादशाह था का देहावसान हुआ।

13 साल में क्रिकेट में चमके बिहार के वैभव के आगे शोहरत को संभालने की चुनौती

■ **विनोद पाठक**

तथागत अवतार तुलसी का नाम आपको याद होगा। बिहार की राजधानी पटना के तथागत उस समय राष्ट्रीय फलक पर छा गए थे, जब उन्होंने मात्र 9 साल की उम्र में मैट्रिक और 12 साल की उम्र में एम.एससी की डिग्री हासिल कर ली थी। तथागत के नाम दो गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड दर्ज हैं। छोटी उम्र में शिक्षा के क्षेत्र में बिहार से प्रतिभाएं चमकती रही हैं, लेकिन राज्य का एक क्रिकेटर राष्ट्रीय फलक पर पहली बार इतनी कम उम्र में चमका है। खिलाड़ी का नाम वैभव सूर्यवंशी है। समस्तीपुर के वैभव को इंडियन प्रमियम लीग (आईपीएल) की राजस्थान रॉयल्स टीम ने 1.10 करोड़ रुपए में खरीदा है।

पहले तथागत अवतार तुलसी की बात करते हैं। तथागत प्रारंभ से मेधावी छात्र थे। वर्ष 1997 में उन्हें राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से नवाजा गया। मात्र 21 साल की उम्र में तथागत ने फिजिक्स में पी.एचडी की डिग्री हासिल कर ली और 22 साल की उम्र में आईआईटी, बॉम्बे में असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति मिल गई। जिस उम्र में बच्चे पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते, उसे उम्र में तथागत आईआईटी में पढ़ाने लगे थे। हालांकि, समय का चक्र ऐसा घूमा की तथागत की आईआईटी की नौकरी छूट गई। पिछले दिनों

यह खबर आई थी कि तथागत अब बेरोजगार हैं। वो अपनी प्रसिद्धि को संभाल कर नहीं रख पाए।

तरह वर्षीय वैभव सूर्यवंशी का वैभव भी इनदिनों चमक रहा है। मात्र 13 वर्ष का यह बच्चा नया-नया करोड़पति बना है। वैभव ने जिस छोटी उम्र में क्रिकेट की दुनिया में लंबी छलांग लगा दी है, उसके उदाहरण बेहद कम देखने को मिलते हैं। क्रिकेट के मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर को भी क्रिकेट की दुनिया में कदम रखने में 14 साल लग गए थे। 14 साल की उम्र में सचिन तेंदुलकर ने रणजी ट्रॉफी में बॉम्बे (अब मुंबई) का प्रतिनिधित्व किया। हालांकि, पहले सीजन में उन्हें अंतिम ग्यारह में खिलाड़ियों में खेलने का मौका नहीं मिला था। 15 साल 232 दिन की उम्र में सचिन तेंदुलकर को गुजरात के खिलाफ बॉम्बे की रणजी टीम में खेलने का मौका मिला और उन्होंने इस मैच में नाबाद शतक लगाया था। वैभव सूर्यवंशी को एक चमत्कारिक खिलाड़ी कहा जा सकता है। मात्र 8 वर्ष की उम्र में वैभव का समस्तीपुर जिले की अंडर-16 टीम में सिलेक्शन हो गया था। वैभव की उम्र को लेकर बीसीसीआई ने बोन टेस्ट भी कराया। वैभव अंडर-19 टीम के लिए भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। राजस्थान रॉयल्स टीम ने भी इस बाल खिलाड़ी को लेने से पहले नागपुर में ट्रायल लिया था। वैसे वैभव का बेस प्राइस 30 लाख रुपए था। इस कीमत पर दिल्ली कैपिटल्स ने बोली लगाई थी, लेकिन राजस्थान रॉयल्स ने वैभव को करोड़ रुपए से ऊपर बोली लगाकर ले लिया।

वैभव सूर्यवंशी को मंच मिल गया है, लेकिन उन्हें संभाल कर और अपनी ऊर्जा को बचाकर चलना होगा। प्रतिभा को बनाए रखना होगा। एकाएक मिली शोहरत को संभालना होगा। बेहद कम उम्र में विनोद कांबली, पृथ्वी शॉ जैसे प्रतिभावान खिलाड़ी भी क्रिकेट की दुनिया में आए और चमके थे, लेकिन वो लंबी पारी नहीं खेल सके। पृथ्वी शॉ की तुलना तो सचिन तेंदुलकर से की जाने लगी थी, जबकि इस बार आईपीएल की बोली में पृथ्वी शॉ को खरीदार तक नहीं मिले। कुछ न कुछ विवाद उनके पीछे लग गए। 13 साल की उम्र में आईपीएल में शामिल होने वाले सबसे युवा वैभव सूर्यवंशी की अब अग्नि परीक्षा है। देखना यह होगा कि वैभव राजस्थान रॉयल्स के लिए अंतिम 11 खिलाड़ियों में शामिल होते हैं या बेंच पर बैठकर समय निकाल देते हैं।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

हर सुबह हमारे पास दो विकल्प होते हैं। पहला अपने सपनों के साथ सोते रहें, दूसरा उठें और उन सपनों के पीछे भागें। अब चुनाव आपको करना है। आपका दिन शुभ हो।

-चाणक्य

निशाना

ले के रहेंगे जोखिम !

-कृष्णेन्द्र राय

कर रहे प्रयोग फिर ।
पाना नया मुकाम ।।
आ रहीं हैं कब से ।
अड़चनें तमाम ।।
करना अलग हट कर ।
चलना अलग राह ।।
हो रहा ना वह कुछ ।
जिसकी हमको चाह ।।
बुन रहे हम सपने ।
है कुछ कर दिखाना ।।
ठान लिया इस बार ।
देखेगा ज़माना ।।
ले के रहेंगे जोखमि ।
करना है सुधार ।।
बार बार ये हमको ।
हार नहीं स्वीकार ।।

जगन्नाथ मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम जारी : निकाली शोभायात्रा, भजन भी गाए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

ग्राम डोंगरवाड़ा में नव निर्मित जगन्नाथ मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का समारोह जारी है. प्राण प्रतिष्ठा में आसपास के दूर दराज के भक्तों का जमावड़ा होने से बुधवार का दिन डोंगरवाड़ा गांव के लिए ऐतिहासिक बन गया। प्रभु जगन्नाथ के आगमन की प्रसन्नता से नर नारियों में उत्साह का संचार दिखाई दे रहा था. ग्रामीणों ने पूरे गांव की गलियों को गाय के गोबर से लीपा। घर में बंदनवार बांधे, घर के सामने रंगोली और मांडने बनाए। प्रभु के आगमन के उत्साह में दिन और रात का भान ही नहीं रहा। बालिकाएं, महिलाएं और बुजुर्ग महिलाएं पूरी रात सजावट के काम में लगी रही । सुबह

सोलह श्रृंगार करके भगवान की कलश यात्रा में सम्मिलित होने के लिए मंदिर प्रांगण में उपस्थित थीं। शोभायात्रा प्रारंभ हुई तो नन्ही बालिकाओं से लेकर वृद्धाएं भी थिरक उठी। सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे घर राम आए हैं। यह भजन डोंगरवाड़ा में पूरी तरह सार्थक हो उठा।

कलश यात्रा में मंदिर के ठाकुर राजा, समिति के दिव्यजीत राय, जितेंद्र जामलिया, प्रमोद शर्मा, अमित माहेश्वरी विप्रगण के साथ सबसे आगे चल रहे थे। उसके बाद गांव की महिलाएं मंगलगान करते हुए सिर पर कलश रखकर चल रही थीं। जिन महिलाओं ने कलश नहीं लिया था वे प्रसन्नता से थिरक उठी.पूरी यात्रा में न तो उनके पैर रुके और न ही वे थकी। उनके चेहरे उत्साह और प्रसन्नता से झलक रहे थे।

शोभा यात्रा का समापन मां नर्मदा के तट पर हुआ। यहां मां नर्मदा की पूजा अर्चना की गई। इसके बाद सभी श्रद्धालु मंदिर परिसर पहुंचे और आगे की पूजा प्रारंभ हुई।

डोंगरवाड़ा ग्राम में नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह कार्यक्रम के दौरान बुधवार रात को श्री खाटू श्याम भजनों का आयोजन किया गया। गायक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए भजनों पर भक्तगण देर रात तक आनंद विभोर होते रहे। कार्यक्रम के पूर्व मंदिर के अर्चक बाबाजी प्रसाद दास, सरपंच माखन कीर, व्यवस्थापक प्रमोद शर्मा और अमित माहेश्वरी के कलाकार अंजू विश्वकर्मा, शादिक भाई, नगर के ख्यातिनाम गायक अखिलेश तिवारी, रानी तिवारी और कमल झा सहित सभी कलाकारों का माल्यार्पण से स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण और नर्मदापुरम के लोग उपस्थित रहे।

आर्थिक स्थिति जांचने पहुंचे थे आरोपी के घर

आरआई पर हमला, दूसरे के घर में घुसकर बचाई जान

इटारसी, दोपहर मेट्रो

जेल मे सजा काट रहे आरोपी द्वारा जुर्माना नहीं भर पाने की स्थिती में योजना के अनुसार जब आरआई आरोपी के घर आर्थिक स्थिति की जांच करने के लिए पहुंचा, तो आरोपी के भाई एवं एक अन्य ने उसके उपर हमला कर दिया। आरआई ने अपनी बाइक छोड़कर दूसरे के घर में घुसकर अपनी जान बचाई।

तहसील इटारसी के अंतर्गत आने वाले आर आई चंद्रशेखर बाथरे के उपर नाला मोहल्ला क्षेत्र में शाम के समय हमला हो गया। जिसे उपचार के लिए पुलिस द्वारा शासकीय अस्पताल लाया गया। बताया जा रहा है कि नाला मोहल्ला निवासी प्रीतम उर्फ विक्रम मेहरा किसी अपराध के मामले में सेंट्रल जेल में बंद है।उसकी सजा तो पूरी हो गई, लेकिन वह 25 हजार रूपए का जुर्माना नहीं भर पा रहा है। इसलिए वह जेल से रिहा नहीं हो पा रहा है। इसलिए गरीब कैदी की सहायता योजना के तहत न्यायालय के आदेश पर आरआई

चंद्रशेखर बाथरे नाला मोहल्ला स्थित टपरिया मोहल्ला में उसके घर की आर्थिक स्थिती की जांच करने के लिए गया था। जैसे ही वह आरोपी के घर पहुंचा तो उसका छोटा भाई भूरा मेहरा उसे मिला, जब आरआई ने उसे अपना परिचय देते हुए कहा कि वह आर्थिक स्थिती की जांच करने के लिए आए है। तो आरोपी का भाई आग बबूला हो गया। वह गाली गलौज करते हुए आरआई को मारने दौड़ा, तो आरआई अपनी बाइक लेकर जाने लगा, लेकिन उसी बीच भूरा का एक दोस्त भी आ गया, जिन्होंने आरआई को रोककर उसके बाइक की चाबी निकाल ली। जब वह बाइक छोड़कर भागने लगा तो उसे पकड़कर जमकर मारपीट की। वह उसके उपर चाकू से हमला करने ही वाले थे, तभी आरआई ने अपनी जान बचाकर पास के ही एक घर में घुसकर भीतर से दरवाजा कर लिया। इसके बाद उन्होंने पुलिस और संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी, तब पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद उसे उपचार के लिए शासकीय अस्पताल लाया गया।

रजक समाज में रोष

आरआई चंद्रशेखर बाथरे के उपर हुए हमले को लेकर रजक समाज में काफी रोष है। रजक समाज के अभिषेक कनोजिया द्वारा बताया गया कि वह समाज के गौरव हैं, उनके उपर हुए हमले की वह निंदा करते है। इसके साथ ही हमला करने वाले आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की है।

आरोपी गिरफ्तार

सूत्रों से जानकारी के मुताबिक आरोपी को घटना के बाद गिरफ्त में ले लिया, पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने और अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

अवैध शराब विक्रय एवं निर्माण के खिलाफ कार्रवाई जारी

देशी एवं हाथ भट्टी मदिरा सहित महुआ लहान जप्त किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शहर में नर्मदा नदी के 5 किलोमीटर के ड्राय क्षेत्रों में अवैध शराब के विक्रय निर्माण संग्रहण के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश एवं जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर के मार्गदर्शन में वृत नर्मदापुरम 'अ' में आबकारी टीम द्वारा अनेक संदिग्ध स्थलों की गहन तलाशी ली गई। तलाशी में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी से 1 पेटी देशी शराब एवं 30 पाव 8 पीएम व्हिस्की जप्त कर मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34.1 के तहत् प्रकरण कायम किया गया। इसी प्रकार ग्राम रायपुर से दीपक कहार के रहवासी मकान की तलाशी में 320 पाव जप्त कर आरोपी पर मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34.2 (क) के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया । मौके पर संपूर्ण कार्यवाही कर कार्यवाही का वीडियो आदि बनाकर कर , जप्त मदिरा कब्जे में लेकर प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया। जप्त की गई सामग्री की अनुमानित कीमत 32,000/- है। वृत सिवनी मालवा के पगढ़ाल क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन, संग्रहण और विक्रय को रोकने के उद्देश्य से अवैध मदिरा के बिक्री, निर्माण, परिवहन एवं संधारण के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग द्वारा दिनांक 27/11/2024 को

आबकारी विभाग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए 30 लीटर हाथभट्टी मदिरा एवं 600 किलो ग्राम महुआ लहान जब्त करते हुए 2 प्रकरण आबकारी अधिनियम के अंतर्गत कायम किए है। जप्त सामग्री की अनुमति कीमत 66,000/- रुपए है। की गई कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक सुयश फौजदार वासुदेवाचार्य त्रिपाठी, कृष्ण कुमार पड़रिया, हेमन्त चौकसे, आबकारी मुख्य आरक्षक रघुवीर प्रसाद, राजेश गौर , निमोदा आबकारी आरक्षक धर्मेंद्र बारंगे, गणपति बोबडे , योगेश महोबिया, विकास लोखंडे, मनोज रघुवंशी, भावना यादव का सराहनीय योगदान रहा। श्री सागर ने बताया कि आबकारी विभाग की सूचना संकलित कर इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

बिना परमिट बिना फिटनेस की चल रही स्कूल बस पर कार्रवाई की

नर्मदापुरम। बुधवार को आरटीओ अधिकारी श्रीमति निशा चौहान के नेतृत्व में आरटीओ जांच दल द्वारा वाहन जांच अभियान चलाते हुए माखननगर के समीप स्थित गनेरा ग्राम में जांच के दौरान सुबह 9 बजे बेरसेवा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल की बस क्रमांक MP05P0304 को रोककर जांच की गई। बस में स्कूल स्टाफ के अलावा बच्चों को स्कूल ले जाया जा रहा था। बस के दस्तावेजों की जांच में बस बिना परमिट, बिना फिटनेस, बिना प्रदूषण सर्टिफिकेट के पाए गई। बस को जप्त कर आरटीओ कार्यालय में खड़ा करवाया गया। जांच में बस के चालक के पास वैध लाइसेंस भी नहीं पाया गया। पूर्व में स्कूल वाहनों के निरीक्षण के दौरान स्कूल संचालक के द्वारा आरटीओ जांच दल को इस स्कूल बस का सड़क पर संचालन नहीं होना बताया।

सीवरेज लाइन के लिए अनियमित तरीके से हो रही सड़क खुदाई कार्य रोका जाए

■ पार्षद के नेतृत्व में व्यापारियों ने दिया प्रशासन को ज्ञापन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगर में सीवरेज लाइन के लिए बीच रोड पर खुदाई की जा रही है. खुदाई बहुत अनियमित तरीके से हो रही है और उसका पुनः वैसे रेस्टोरेशन वर्क नहीं हो पा रहा है। शहर की सबसे पुरानी एवं व्यवस्थित रोड जो कि नेहरू चौक से सराफा चौक के मुख्य मार्ग पर है उस पर भी सीवरेज लाइन खुदाई के लिए पार्षद श्रीमती लीला बसंत सैनी और पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष अजय सैनी के नेतृत्व में व्यापारियों ने एडिशनल कलेक्टर डी के सिंह को ज्ञापन दिया।

उन्हें अवगत कराया कि यह रोड बहुत पुरानी और अभी तक व्यवस्थित है जिससे लोगों की आस्थाएं जुड़ी हुई है। सभी व्यापारियों का मानना है की खुदाई के बाद ठेकेदार उन्हें इस गुणवत्ता की रोड को नहीं बना सकता और अधिकतर यहां दुकान हैं और इस रोड पर जो घर लगे हुए हैं उनके पानी निकासी की व्यवस्था भी पीछे की तरफ से है। अतः सभी व्यापारी और पार्षद लीला बसंत सैनी का प्रशासन से आग्रह है कि इस रोड की खुदाई को रुकवा दिया जाए और इसमें पीछे की गलियों की तरफ से इसकी खुदाई की जाए। ज्ञापन देने में अजय सैनी , रोहन जैन, रत्नेश गुप्ता, प्रदीप खंडेलवाल, सतीश बिल्लौरे , अफरीद खान, सौरभ शर्मा, पंकज पचौरी, सचिन उमरे एवं व्यापारी वर्ग उपस्थित रहा।

अनुविभागीय अधिकारी ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा भारत निर्वाचन आयोग एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदा पुरम के निर्देश अनुसार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 136 सिवनी मालवा में 318 मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची का पुनरीक्षण अंतिम चरण में चल रहा है। श्रीमती सरोज सिंह परिहार अनुविभागीय अधिकारी एवं निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सिवनी मालवा द्वारा संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 के कार्य की समीक्षा हेतु शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के मतदान केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्र क्रमांक 75, 80,81, 82 एवम 83 सिवनी मालवा शहरी क्षेत्र एवं सिवनी मालवा ग्रामीण क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 91,92 भरलाय एवं मतदान केंद्र 94 रावन पीपल पर प्राप्त दावे आपत्तियों के फार्मों की जानकारी लिए जाने के साथ ही फार्म की जांच की गई जो की सही पाए गए। अनुविभागीय अधिकारी द्वारा विधानसभा क्षेत्र के समस्त बीएलओ को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने कार्य क्षेत्र में डोर टू डोर भ्रमण कर यह

भली-भांति सुनिश्चित कर लेने की कोई भी पात्र मतदाता निर्वाचक नामावली में सम्मिलित होने से शेष न रहे। एसडीएम द्वारा राजस्व विभाग द्वारा महा अभियान3ज0 के बारे में भी भरलाय पटवारी संदीप कटारे से किसान फार्मर आईडी, खसरा आधार लिंकिंग, नक्शा बटाकन के बारे में भी पूछा गया निरीक्षण के समय सरपंच प्रतिनिधि भरलाय प्रेम किशोर बनेटिया, बीएलओ प्रमोद लोवंशी पटवारी संदीप कटारे एवं निर्वाचन प्रभारी पंकज परसाई उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर सिवनी मालवा के शासकीय कुसुम महाविद्यालय में हुआ आयोजन

रेड रिबन क्लब द्वारा एड्स जागरूकता के लिए मानव श्रृंखला बनाई

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

शासकीय कुसुम महाविद्यालय की रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आज महाविद्यालय में एचआईवी एड्स पर मानव श्रृंखला बनाकर एचआईवी एड्स की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ राजेश कुमार रघुवंशी ने एचआईवी एड्स के बारे में बताया कि देश में 15 से 24 वर्ष की आयु मैं एड्स के मामले बढ़ रहे हैं इस बीमारी ने देश की एक बड़ी आबादी को अपने प्रभाव में जकड़ रखा है। एचआईवी संक्रमण के बाद

मानवीय शरीर की प्रतिरोधक क्षमता घटने लगती है। एचआईवी वायरस के शरीर में प्रवेश कर शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति खत्म करता जाता है एड्स छुआछूत की बीमारी नहीं है। रेड रिबन प्रभारी एवं राष्ट्रीय योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ मोहन सिंह गुर्जर ने बताया एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों

के बारे में जो मिथ्या और भ्रमिक बातें कही जाती हैं उन्हें दूर करना आवश्यक है इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्रा इकाई प्रभारी श्रीमती विजय श्री मालवी डॉ योगेश खंडेलवाल डॉक्टर आरती परिहार श्रीमती गीता डोंगरे प्रेम नारायण परते एवं समस्त स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

जिलाध्यक्ष ने अपने माता-पिता की स्मृति में की घोषणा

मेहरा समाज महासंघ करेगा बर्तन बैंक का संचालन

इटारसी, दोपहर मेट्रो

मेहरा समाज महासंघ बर्तन बैंक का संचालन करेगा। इसकी शुरुआत संगठन के जिलाध्यक्ष डॉ. श्रीराम निवारिया ने अपने पिता देवचंद बाजीलाल निवारिया एवं माता श्रीती रामबाई निवारिया की स्मृति में आयोजित स्मृति उत्सव में समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरके मेहरा के हाथों करायी। डॉ. निवारिया ने अपने परिवार की ओर से 100 बर्तन इसी उत्सव में संगठन को प्रदान कराये। स्मृति-उत्सव में मेहरा महासंघ के नर्मदापुरम जिलाध्यक्ष डॉ श्रीराम निवारिया ने अपने पिता देवचंद बाजीलाल निवारिया एवं मां श्रीमती रामबाई निवारिया की स्मृति में स्नेह भोज का आयोजन किया। पांच सौ से अधिक सामाजिक सदस्यों की मौजूदगी वाले इस कार्यक्रम में डॉ निवारिया ने डिस्पोजल का उपयोग नहीं करके समाज को भी पर्यावरण सुधार की दिशा में ऐसे ही आयोजन

करने के लिए प्रेरित किया। इस दिशा में कदम उठाते हुए माता-पिता की स्मृति में स्टील के 100 गिलास खरीद कर रखे गए। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरके मेहरा के हाथों, बर्तन-बैंक की औपचारिक घोषणा की गई। इस अवसर पर मेहरा समाज महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक रोहले, जिला महासचिव गणेश उपरारिया, जिला कार्यकारी अध्यक्ष रोहित नागे,दीपक पवार, डॉ. आरएस मेहरा, महेश हनोतिया सहित सभी सामाजिक सदस्यों, मित्रों, परिचितों का डॉ. निवारिया ने आभार व्यक्त किया।

गार्डन संचालकों की बैठक लेकर एसडीओपी ने दिए निर्देश

सुरक्षा का रखें विशेष ध्यान, सड़क पर वाहन पार्क न हों, डीजे की आवाज लिमिट में हो

■ कुछ ही संचालक रहे उपस्थित

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शहर में अधिकांश गार्डन का संचालन नियम विरुद्ध हो रहा है, इनमें सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं है। इनकी वाहन पार्किंग भी सड़कों पर होने से जाम के कारण आम से लेकर खास को परेशानी होती है। इसी तरह हाई कोर्ट के दिशा निर्देशों के बाद भी डीजे संचालक पालन नहीं करते हैं स्पीड इतनी ज्यादा आवाज होती है कि घरों के अंदर भी आवाज का कहर देखने को मिलता है। इनकी मनमर्जी पर विराम लगाने के लिए एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ने थाने में सभी गार्डन संचालकों की बैठक लेकर सभी गार्डन संचालकों को सुरक्षा के विशेष इंतजाम करने के लिए दिशा-निर्देश देते हुए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए वर वधू पक्ष के लोगों को भी समझाएं कि अनजान व्यक्ति को सामान ना दे सुरक्षाकर्मी भी रखे सड़कों पर वाहन पार्किंग नहीं होनी चाहिए यदि सड़कों पार्किंग की गई तो कार्रवाई करेंगे एसडीओपी ने एसपी के द्वारा दिए गए निर्देशों से सभी गार्डन संचालकों को विस्तार से अवगत

कराते हुए पालन करने के लिए हिदायत दी इसके साथ कहा कि जो नहीं मानेंगे उन पर कार्रवाई भी हम करेंगे।

पार्किंग व्यवस्था न होने से लगता है कई जगह जाम

ज्यादातर शादी गार्डन में सुरक्षा के इंतजाम भी नहीं होते हैं सड़क पर ही वाहन पार्किंग करवाने का कार्य करते हैं, इस वजह से मुख्य सड़कों पर जितने भी गार्डन है वह पर जाम के कारण सभी को परेशानियां होती है गार्डन संचालकों ने गार्डन तो बना दिये है परन्तु अपने गार्डन ई पार्किंग नहीं बनाई है इसलिये यह लोग रोड पर ही वाहन पार्क करवा देते है। जिससे आम जनता को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। सड़क परिवहन पार्किंग होने से जाम के कारण घंटे मार्गो यातायात पूरी तरह से प्रभावित हो जाता है इसको खुलवाने के लिए भी गार्डन संचालकों के द्वारा व्यवस्थाएं नहीं करवाई जाती हैं। इसके चलते शादियों के दिनों में मुख्य मार्गों पर प्रतिदिन रात्रि के समय परेशानी होती है, अधिकारियों जनप्रतिनिधि से लेकर एंबुलेंस भी फंस जाती है, इस समस्या से सभी को परेशान होना पड़ता है। कई गार्डनों के सामने वाहन पार्क करने को लेकर लोगों में लड़ाई तक हो जाती है, पर गार्डन संचालक अपना पैसा बनाने के लिये जनता की परेशानी को नजर अंदाज करते है यही नहीं इस बात की खबर स्थानीय प्रशासन को भी है, लेकिन आज तक स्थानीय प्रशासन ने कोई भी इनके खिलाफ कार्रवाही नहीं की है इसकी क्या वजह हो सकती है यह तो कहना मुश्किल है।

देर रात तक चलता है शादी समारोह खुलेआम उड़ाई जा रही है नियम की धज्जियां, कई गार्डन चल रहे हैं बगैर अनुमति के - नगर में चारों तरफ गार्डन संचालित हो रहें हैं इनमें से अधिकांश गार्डन संचालकों के पास इनका चलाने की अनुमति भी नहीं है फिर भी इनको नियमों विरुद्ध संचालित किया जा रहा है। सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे के अलावा सुरक्षा गार्ड भी यहां पर मौजूद नहीं रहते इस वजह से किसी भी घटना होने पर कोई कुछ नहीं कर पता है। सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से चोर भी कई बार प्रवेश कर जाते हैं चोरी की वारदात को भी अंजाम दे देते हैं। गार्डनों में यह भी देखा गया है की तह समय से गार्डन बंद नहीं होते अपने फायदा के लिये गार्डन संचालक देर रात तक प्रोग्राम होने देते है, इसके शोरगुल से आस-पास के बस्ती वालों को परेशानी का सामना करना पड़ता है, गार्डन संचालक अपने फायदा के लिये लोगों से मना भी नहीं करते और गार्डन देर रात्रि तक खुले रखते है।

देर रात तक बजाते है तेज आवाज में डीजे, अब होगी कार्रवाही

देखा जाता है कि शादी समारोह में देर रात तक तेज आवाज में डीजे चलाया जाता है जिससे आस-पास रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है खासकर पढ़ने वाले बच्चों को और सुबह उठ कर ड्यूटी जाने वाले कर्मचारियों को एवं बीमार व्यक्तियों को डीजे की तेज आवाज से परेशानी होती है नींद में खलल पड़ता है। एसडीओपी श्री तिवारी ने बताया कि सभी डीजे संचालकों की बैठक लेकर इनको बताएंगे कि कोर्ट के द्वारा जारी की गई गाइडलाइन के विपरीत यदि डीजे साउंड बजाते हुए पाए जाते तो इनको हम जप्त करने की कार्रवाई भी करें इसके संबंध में सभी को अवगत भी करेंगे की कोई भी तेज आवाज में डीजे साउंड ना बजाए कोर्ट के निर्देश का पालन भी करवाएंगे जो नहीं मानेगा उन पर कार्रवाई भी करेंगें इस बार समय से पहले पुलिस के द्वारा कदम उठाए जा रहे हैं। वही देखना है कि कितने गार्डन संचालक इन निर्देशों का धरातल पर पालन करेंगे ।

इनका कहना है

सभी गार्डन संचालकों को सुरक्षा के विशेष इंतजाम करने सड़कों पर वाहन पार्किंग नहीं करने के लिए समझाया है, डीजे संचालकों को भी सीमित स्पीड में ही बजाने के लिए निर्देशित किया जाएगा जो पालन नहीं करेगा उस पर करवाई करेंगे।

-उमेश कुमार तिवारी
एसडीओपी

चाठौली के समर्थन मूल्य केंद्र पर किसानों को फसल तुलवाने में हो रही है परेशानी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कृषि उपज मंडी में समर्थन मूल्य से नीचे सोयाबीन के दाम मिलने से अधिकांश किसानों के द्वारा समर्थन मूल्य परी फसल बेचने का काम किया जा रहा है इस वजह से केंद्रो पर फसल बेचने के लिए कृषकों के ट्रैक्टर ट्रॉली की लंबी-लंबी कतारें लग रही है। इस वजह से अब किसानों को फसल तुलवाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाना पड़ रहा है। सबसे पहले तो फसल पास करवाने के लिए सर्वेयरो की सेवा करनी पड़ती है फिर तुलवाने के लिए हममाल तुलवाट की भी सेवा करनी पड़ रही है तब जाकर फसल की तुलाई हो पा रही है। दूसरी ओर चाठोली के समर्थन अधिकांश किसानों से फसल तुलवाने के परेशान किया जा रहा है इस वजह से किसान परेशान हो रहा है उनका कहना है कि सर्वयरों के द्वारा पैसे वसूलने के लिए हमें परेशान किया जाता है। जो इनकी सेवा कर देता है उसकी फसल पास हो जाती है जो नहीं करता है उसकी खरीदने से मना कर देते है फसल अच्छी होने के बाद भी उसको फेल कर देते हैं। जैसे तैसे सर्वेयरों से पास होने के बाद तुलवाने के लिए हममाल तुलवाट भी पैसे ले रहे हैं। नियमों का भी पालन नहीं हो रहा है पैसे देने वालों की जल्दी तुल रही है। अधिकांश समर्थन मूल्य केद्रों पर इसी तरह किसानों को परेशान किया जा रहा है।

इनका कहना है

फसल तुलवाने में किसी भी तरह से यादि किसानों को परेशान किया जा रहा तो जांच करवाकर कार्रवाई करेंगे।

हर्षल चौधरी एसडीएम

सघन जांच पड़ताल जारी, अवैध परिवहन करते डंपर जप्त

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में खनिज विभाग द्वारा संपादित की गई आज कार्यवाही की जानकारी देते हुए जिला खनिज अधिकारी मेहताब सिंह रावत ने बताया कि आकस्मिक जांच पडताल भमण के दौरान अशोकनगर रोड बरवाई में वाहन जांच के दौरान डंपर क्रमांक एमपी 04 जेडटी 0597 में गिट्टी का अवैध परिवहन किया जाना पाए जाने पर मय खनिज डंपर को जप्त कर पुलिस थाना कुरवाई प्रागंण में पुलिस की अभिरक्षा में रखा गया है। निरीक्षण के दौरान सहायक खनिज अधिकारी पंकज वानखेडे, नगर सैनिक धर्मेन्द्र राजपूत, परसराम कुशवाह, ऋतुराज राजपूत, महेन्द्र सिंह भी मौजूद रहे।

बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कार्यक्रम एकीकृत बाल विकास परियोजना सिरोंज जिला विदिशा मध्य प्रदेश के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास परियोजना सेक्टर गोपाल नगर के आंगनबाड़ी केंद्र बरेज में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान सुपरवाइजर श्रीमती इमा बेला किस्पोट्टा सुपरवाइजर श्रीमती अनीता मौर्या गोपालनगर सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती रितु शर्मा द्वारा किया गया। इसमें सेक्टर की समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका एवं किशोरी बालिका कार्यक्रम में मौजूद रही इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवं हिंसा बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई गई। बालिकाओं के शिक्षा एवं स्वावलंबी बनने हेतु समझाइस दी । माता-पिता को बालिका का विवाह 18 वर्ष से पूर्व न करने हेतु समझाइस दी गई एवं कार्यकर्ता मीना शर्मा एवं प्रतिमा पाल द्वारा भी इस कार्यक्रम के सफल बनाने में योगदान दिया।

'हम होंगे कामयाब' अभियान तहत आयोजन जारी, जेंडर एवं बाल संरक्षण नियमों से प्रशिक्षित हुए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान में जिले के नोडल शिक्षकों एवं हॉस्टल वार्डन का जेंडर एवं बाल संरक्षण विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

राज्य स्तरीय श्हम होंगे कामयाब अभियान एवं बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत शिक्षकों और हॉस्टल वार्डन का प्रशिक्षण जिला कार्यक्रम अधिकारी भरत सिंह राजपूत के मार्ग दर्शन सह नेतृत्व में किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत जिला शिक्षा अधिकारी श्री आर के ठाकुर द्वारा दीप प्रज्वलन से की गई है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य श्री जी पी राठी भी मौजूद रहे। भोपाल से आएं राज्य स्तरीय समन्वयक श्रीमती इंदु सारस्वत ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेंडर विषय पर व्यापक विस्तार पूर्वक जानकारी सांझा करते हुए प्रशिक्षणार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया है। इस दौरान मूल रूप से जेंडर क्या होता है, जेंडर असमानता और

जेंडर किस प्रकार हमारे समाज में व्याप्त है जिस कारण बालिकाओं और महिलाओं को कम अवसर मिलते हैं, विषय पर सहभागियों को बताया। जेंडर को विस्तार से समझाने के लिए कमला भसीन की शोर्ट फिल्म दिखाया गया और जेंडर विषय पर विस्तार से चर्चा किया गया।

इसी क्रम में समूह कार्य के माध्यम से जेंडर आधारित पॉवर वाक गतिविधि का आयोजन किया गया। पॉवर वाक गतिविधि में वर्तमान सामाजिक स्थिति को जहाँ बालिका और महिला की स्थितियों को रोलप्ले के माध्यम से समझाया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए किशोर न्याय बोर्ड के श्याम शर्मा ने किशोर न्याय अधिनियम और पास्को कानून से सहभागियों को अवगत कराया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला समन्वयक अरविन्द मिश्रा और महिला एवं बाल विकास संतोष रघुवंशी सहित प्रशिक्षार्थी व अन्य मौजूद रहे।

16 महीने पहले आवास योजना के भरे थे फार्म आज तक नहीं हुई कार्यवाही

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नागर पालिका द्वारा लगभग 16 माह पहले प्रधानमंत्री आवास योजना के फार्म भरवाये गए थे। इतना लंबा समय बीत जाने के बाद भी आज तक इन पर अमल नहीं हुआ इस वजह से फार्म जमा करने वाले हितग्राही नगर पालिका से लेकर एसडीएम कार्यालय में पहुंचकर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मांग रहा है पर कहीं से कोई संतोष जनक जवाब इन लोगों को नहीं मिल पा रहा है। वही फॉर्म भरने से पहले नगर पालिका परिषद के द्वारा अलॉटमेंट करवा कर हितग्राहियों से प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवेदन देने के लिए बुलाया गया था। जिसमें 21 वार्डो से 2900 फार्म हितग्राहीयों के द्वारा भरे गए थे। जिसकी लिस्ट भी नागर पालिका कार्यालय मे लगवाई गई थी हितग्राहियो को उस समय उम्मीद जागी थी कि अब जल्द ही हमें इस योजना के अंतर्गत लाभ मिलेगा तो हम अपने घर के सपने को पूरा कर लेंगे लेकिन इनकी मनसा पर पानी फिरता हुआ दिखाई दे रहा है।

इन 16 महीनों मे नगर के राजनैतिक, सामाजिक, क्षेत्र के लोगो ने कई बार स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों को इसके संबंध में कई बार आवेदन भी दिए हितग्राही भी अपनी फरियाद लेकर इनके पास पहुंच चुके है पर किसी पर कोई विचार नहीं किया गया है। स्थानीय अधिकारियो से लेकर, जिला कलेक्टर, जिला परियोजना अधिकारी, नेता प्रति पक्ष, संभागीय कॉमिशनर, अपर आयुक्त, आदि कार्यालयों मे आवास योजना की शिकायत लिखित मे कई बार कर चुके है। पर नतीजा आज भी नहीं निकला है।

अवकाश अनुमति हेतु निर्धारित प्रपत्र व नोटशीट के साथ प्रस्तुत करें

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जिले के सभी विभागो के जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि भविष्य में आकस्मिक, ऐच्छिक अवकाश व मुख्यालय छोडने की अनुमति संबंधी स्वीकृति के लिए विवरण निर्धारित प्रपत्र में दर्ज कर नोटशीट के साथ तीन दिवस पूर्व प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि विभिन्न विभागो के जिलाधिकारियों द्वारा विभागीय जिला प्रमुखो द्वारा अवकाश स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्रस्तुत ना कर सीधे नोटशीट पर अवकाश अनुमोदन कराकर अवकाश, मुख्यालय से बाहर चले जाते है जिससे जिला कार्यालय में उनके आकस्मिक ऐच्छिक मुख्यालय अनुमति संबंधी विवरण का संकलन नहीं हो पाता है अतः जिले के सभी विभागो के अधिकारियों को निर्देशित

किया गया है कि अवकाश स्वीकृति व मुख्यालय छोडने की अनुमति प्राप्ति के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन नोटशीट के साथ प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे।

मेट्रो एंकर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने फिर उठाई जिला बनाने की मांग

जिला कलेक्टर को कार्यकर्ताओं ने सिरोंज जिला बनाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विनोद सेन ने आज कांग्रेस के साथी सहित विदिशा जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा सिरोंज को जिला बनाने की बात कही पूर्व में जिला रहा सिरोंज को पुनः जिला बनाने के संबंध में । सिरोंज एक ऐतिहासिक, प्राचीन , धार्मिक , सांस्कृतिक व व्यापारिक षहर सिरोंज को 1 नवंबर सन् 1956 को राजस्थान राज्य से मध्यप्रदेष राज्य में सम्मिलित किया था । सम्मिलित होने से पहले सिरोंज जिला था । इसके अंतिम कलेक्टर श्री बेजनाथ पंचौली थे ।

सिरोंज की जिला मुख्यालय विदिषा से दूरी 85 कि.मी. है, वही सिरोंज विधानसभा के अंतिम छोर के ग्राम उनारसी कला की दूरी मुख्यालय से 160 किमी. है जिससे मुख्यालय में आने जाने के लिए आमजनों को परेषानी होती है, गरीब लोगों को आर्थिक न्याय से बंछित होना पड़ता है ।

18वी शताब्दी के द्वौरान सर जार्ज एवरेस्ट पर्वत की ऊँचाई को मापने के लिए महान त्रिकोणमितीय सर्वेक्षण के लिए माप में तीन वैद्यषालाएँ बनाई थी, जिसमें से एक वैद्यषाला सिरोंज में बनाई गई थी, जो गुना रोड पर भूरी टौरी ग्राम में है जिसके अवषेष अभी भी मौजूद है जो अभिभाजित भारत को केन्द्र बिन्दू है, यहाँ पर सिक्के बनाने की

टकसाल थी उन सिक्कों पर भी सिरोंज लिखा हुआ है ।

सिरोंज की पूर्व दिषा में कुरवाई तहसील है जो 40 किमी दूरी पर है पष्चिम दिषा में लटेरी तहसील स्थित है जो सिरोंज से 30 किमी. दूरी स्थित है । इस प्रकार 1.सिरोंज तहसील , 2.कुरवाई तहसील , 3.लटेरी तहसील एवं सिरोंज तहसील के 4.पथरिया उप-तहसील (टप्पा) है एवं 5.दीपनाखेडा 30 किमी. जो कि राजस्थान में टौक रियासत के समय तहसील का दर्जा था एवं लटेरी तहसील की 6.आनंदपुर उप-तहसील (टप्पा) और 7.नटेरन तहसील के ग्राम सतपाडा हाट को भी तहसील का दर्जा दिया जा सकता है जिसकी दूरी भी 30 किमी है ।

इनको भी तहसील का दर्जा दे कर सात तहसील को मिलाकर सिरोज को जिला बनाया जा सकता है जोकि सतपाडा हाट क्षेत्र के आम जन सिरोंज से ही व्यापार करते है एवं किसान कृषि उपज को बेंचने सिरोंज मंडी में आते है, सिरोंज से ही बैंको का लेन - देन करते है।

सिरोंज तहसील में दो अपर-जिला एवं सत्र न्यायालय है , दो सिविल कोर्ट है एडिषनल कलेक्टर का लिंक कोड है, सभी विभागों के दस अनुविभागी अधिकारी की परिस्थाापना है, स्वर्गिय श्री राजीव गाँधी स्मृति हॉस्पिटल है जिसमें 100 पलंग की मरीजों को व्यवस्था है, विष्वविद्यालय है एवं अनेक निजी महाविद्यालय है, पोलिटैक्निक कॉलेज, आईटीआई षासकीय कॉलेज है, जिला मुख्यालय के बाद दूसरा बडा महाविद्यालय है सभी प्रमुख विभागों की प्रमुख शाखाएं सिरोंज में है । सिरोंज में कृषि विज्ञान केन्द्र था जो कि जिले में एक होता है वह किन्ही कारणों से बन्द पडा है , बी ग्रेड की कृषि उपज मंडी है, बिजली विभाग के 13ध्11 केवी के अनेक केंन्द्र है, ग्रामीण क्षेत्रो में भी बिजली विभाग के अनेक केंन्द्र है सिरोंज में केथल डेम हे जो कि कृषि उपज के लिए नहर एवं ष्षहर में पानी देने की क्षमता रखता है एवं प्रदान भी कर रहा है यह जनसंख्या एवं भूगौलिक दृष्टि से सिरोंज जिला बनाने के की क्षेणी में आता है, सिरोज को जिला बनाने के लिए मध्यप्रदेष शासन के प्रमुख सचिव के द्वारा राजस्व के द्वारा वर्ष 2012-13 में एक पत्र जारी कर कलेक्टर विदिषा से सिरोंज को जिला बनाने का प्रस्ताव मांगा गया था , जिसके पालन में तत्कालीन कलेक्टर विदिषा द्वारा सिरोंज को जिला बनाने का प्रस्ताव 1.सिरोंज तहसील 2.लटेरी तहसील 3.कुरवाई तहसील 4.पठारी तहसील को मिलाकर सिरोंज को जिला बनाने का प्रस्ताव दिनाँक 01.06.2013 को प्रमुख सचिव राजस्व को भेजा था।

ओलंपिक में हमारे एथलीटों की औसत उम्र ज्यादा इस कारण पदक जीतने में रह जाते हैं हमेशा पीछे

24 साल औसत उम्र होती है अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले स्टार एथलीटों की, ओलंपिक 2020, पदक विजेता एथलीटों की औसत उम्र 25,

नईदिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली. ओलंपिक खेलों में भारतीय एथलीट ज्यादा पदक जीतने में विफल क्यों रहते हैं, यह एक बड़ा सवाल है। पेरिस ओलंपिक 2024 में 117 भारतीय एथलीटों ने भाग लिया और सिर्फ छह पदक ही जीत सके। इससे पहले, 2020 टोक्यो ओलंपिक खेलों में 119 भारतीय एथलीटों ने शिरकत की और सात पदक जीते। भारतीय एथलीट आखिर कहां चूक जाते हैं? इस पर जयपुर की गुरु स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी ने एक रिसर्च की है। इसमें बताया गया है कि ओलंपिक में भारतीय एथलीटों की औसत उम्र अच्छा प्रदर्शन करने वाले अन्य देशों के मुकाबले ज्यादा होती है। इस कारण हम पदक जीतने में अन्य देशों से पिछड़ जाते हैं। गुरु स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी ने यह रिसर्च टोक्यो ओलंपिक 2020 में भाग लेने वाले एथलीटों के प्रदर्शन के आधार पर की है। इसके तहत, ओलंपिक खेलों में शिरकत करने वाले भारतीय एथलीटों की औसत उम्र 25.7 साल थी।

स्टार शटलर पीवी सिंधू पर भी भारी पड़ी उम्र

भारत की शीर्ष महिला शटलर पीवी सिंधू ने 29 वर्ष की उम्र में पेरिस ओलंपिक 2024 में शिरकत की। उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह पदक नहीं जीत सकी। इससे पहले, सिंधू ने 20 साल की उम्र में रियो ओलंपिक में रजत और 25 साल की उम्र में टोक्यो ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता था।

चीन, दक्षिण कोरिया में छोटी उम्र से तैयारी

ओलंपिक में चीन व दक्षिण कोरिया जैसे देशों का अच्छा प्रदर्शन रहता है। इसकी बड़ी वजह है कि इन देशों में बहुत छोटी उम्र से ही खिलाड़ियों की ट्रेनिंग शुरू हो जाती है। इस कारण वे आगे निकल जाते हैं। वहीं, भारत में खिलाड़ियों की ट्रेनिंग किशोर अवस्था में शुरू होती है।

समाधानः स्कूलों से प्रतिभाशाली बच्चे चुनें और अच्छी ट्रेनिंग दें

चीन में स्कूलों से ही प्रतिभाशाली बच्चों को चुन लिया जाता है और फिर उन्हें अच्छी ट्रेनिंग दी जाती है। उनके खानपान और पढ़ाई का भी ध्यान रखा जाता है। भारत में भी जमीनी स्तर पर प्रतिभाशाली बच्चों को तलाशना चाहिए। इन बच्चों को अच्छी ट्रेनिंग देनी चाहिए ताकि उनका सही समय पर मानसिक और शारीरिक विकास हो सके।

37 चालों में जीत दर्ज कर गुकेश ने की बराबरी

सटीक चालों से बनाया लिरेन पर दबाव

तीसरे दौर की बाजी में मौजूदा चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को दी मात

सिंगापुर. एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप में गत चैंपियन चीन के डिंग लिरेन पर तीसरे दौर में पहली जीत दर्ज करके अंक बराबर कर लिए। दोनों खिलाड़ियों के अब 1.5-1.5 अंक हैं। भारत के 18 वर्ष के गुकेश ने 37 चालों में जीत दर्ज की। मौजूदा चैंपियन लिरेन को मुकाबले के पहले चरण में काफी समय बर्बाद करने का खामियाजा भुगतना पड़ा। तेरहवीं चाल तक भारतीय खिलाड़ी गुकेश के पास एक घंटे की बढ़त थी। लिरेन ने एक घंटा और छह मिनट लगा दिए। खेल के पहले 120 मिनट में से 40 चालों तक समय में कोई इजाफा नहीं किया जाता। बीच में मुकाबला जटिल होने गुकेश ने सटीक चालों से लिरेन पर दबाव बना लिया।

बैडमिंटनः त्रिशा-गायत्री पेश करेंगी भारतीय चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स 2024 में एकमात्र भारतीय प्रतिनिधि होंगी जिन्होंने मंगलवार को जारी बैडमिंटन विश्व महासंघ की रैंकिंग के अनुसार महिला युगल वर्ग में स्थान सुरक्षित कर लिया है। त्रिशा और गायत्री ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष आठ रैंकिंग वाली जोड़ियों में जगह बनाई है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफीः 6 दिसंबर से दूसरा टेस्ट एडिलेड में होगा

ब्यू वेबस्टर ऑस्ट्रेलियाई टीम में मार्श की फिटनेस पर अभी संशय

नईदिल्ली, एजेंसी

ऑलराउंडर मिचेल मार्श के पूरी तरह फिट नहीं होने के कारण ऑस्ट्रेलिया ने तस्मानिया के ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को टीम में शामिल किया है। वेबस्टर स्पिन और मीडियम पेस गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी भी कर लेते हैं। 30 साल के वेबस्टर ने कहा- मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ (ऑस्ट्रेलिया ए के लिए) कुछ रन और विकेट हासिल करना सुखद रहा। जब भी आप 'ए' टीम के लिए खेलते हैं, तो यह टेस्ट से एक लेवल नीचे होता है। न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ मैच के बाद 'बेल्स' (मेंस सिलेक्शन कमेटी के अध्यक्ष जॉर्ज बेली) का फोन कॉल आना मेरे लिए एक गौरवपूर्ण क्षण था। मैं टीम से जुड़ने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

वेबस्टर ने इंडिया-ए के खिलाफ अनऑफिशियल टेस्ट की चार पारियों में दो बार नाबाद रहते हुए 145 रन बनाए थे। साथ ही सात विकेट भी लिए थे। इतना ही नहीं, उन्होंने सिडनी में शेफील्ड शील्ड में न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ 61 और 49 के स्कोर बनाए थे और 5 विकेट भी झटके थे। पर्थ टेस्ट के बाद दर्द में थे मिचेल मार्श वेबस्टर को ऑलराउंडर मिचेल मार्श के विकल्प के तौर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम में चुना गया है। पर्थ टेस्ट के बाद मार्श की मांसपेशियों में खिंचाव था। मार्श की चोट पर ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड ने कहा था- %मार्श की फिटनेस पर थोड़ा संदेह है।%

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने भी मार्श की फिटनेस पर चिंता जताई थी। अगर मार्श पर्थ टेस्ट में दस से अधिक ओवर गेंदबाजी करने के बाद एडिलेड गेम के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाते हैं, तो वेबस्टर के पास ऑस्ट्रेलिया के 468वें पुरुष टेस्ट क्रिकेटर बनने का मौका होगा। बीजीटी में 1-0 से आगे है भारत भारतीय टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 1-0 से आगे चल रही है। टीम ने पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को चार दिनों के भीतर 295 रनों से हराया था। बॉर्डर-गास्कर ट्रॉफी का दूसरा मुकाबला 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा।

बुमराह बोले- मेरी नजर में यशस्वी प्लेयर ऑफ द मैच

भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने पर्थ में यशस्वी जायसवाल की सेंचुरी को उनकी बेस्ट टेस्ट पारी बताया। कप्तान ने कहा कि उनकी नजर में यशस्वी प्लेयर ऑफ द मैच हैं। उन्होंने विराट कोहली की भी तारीफ की। भारत की दूसरी पारी में यशस्वी ने 161 और कोहली ने नाबाद 100 रन की पारी खेली।

मेट्रो बाजार

सब्जियां इस साल 6 माह में इतनी महंगी, जितनी 10 साल में नहीं हुई

लोगों का बिगाड़ा बजट

सब्जियों की बढ़ती महंगाई से अक्टूबर में भी राहत मिलने की खास उम्मीद नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी

भीषण गर्मी, असामान्य और बेमौसम बारिश लोगों की जेब पर भारी पड़ रही है। इससे फसलें बर्बाद हुई हैं, जिससे सब्जियों, दालों और अन्य खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भारी इजाफा हुआ है। आरबीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक, सब्जियों की कीमतों में जितना उछाल वित्त वर्ष 2011-12 से 2019-20 की अवधि के दौरान आया, उससे ज्यादा तेजी चालू वित्त वर्ष के छह महीनों में दर्ज की गई है। 2011-12 से 2019-20 के बीच सब्जियों की कीमतों में 30.4 फीसदी की औसत वृद्धि दर्ज की गई, लेकिन चालू वित्तीय वर्ष के छह महीने में 32.9 फीसदी की वृद्धि हुई है। सितंबर, 2024 में सब्जियों की महंगाई दर 35.99 फीसदी पर पहुंच गई, जो अगस्त में 10.71 फीसदी थी। इसी तरह अनाज, दूध, फल और अंडों की दाम भी बढ़े हैं। आलू 65 फीसदी, प्याज 66 फीसदी और टमाटर 42 फीसदी महंगा हुआ है। बैंगन, गाजर, पत्ता गोभी, परवल, पालक आदि 20 फीसदी उछला है। लहसुन के भाव भी 70 फीसदी तक बढ़ गए हैं। विशेषज्ञों ने कहा, अक्टूबर में भी महंगाई से राहत की उम्मीद नहीं है।

ये हैं चुनौतियां...

खाद्य और ईंधन की कीमतों में बार-बार झटकों ने मौद्रिक नीति के संचालन को चुनौती दी है। केंद्रीय बैंकों के समक्ष जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न समस्याओं को लेकर चुनौतियां हैं। इससे खाद्यान्न और ऊर्जा की कमी और उत्पादक क्षमता में गिरावट जैसे आपूर्ति झटके की आशंका है। खुदरा महंगाई दर 2024-25 में औसतन 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

कब मिलेगी राहत

अक्टूबर में हमारी गणना में सब्जियों की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। अक्टूबर में भी खुदरा महंगाई 5.5त्न से 6त्न के बीच में बनी रहने का अनुमान है। लेकिन पिछले साल की तुलना में इस साल मॉनसून की बारिश अच्छी रही है। ऐसे में नवंबर से कीमतों में दबाव कुछ कम होगा, जब सब्जियों की कीमतों में गिरावट आनी शुरू होगी।

कमोडिटी फंड की नई श्रेणी को मिल सकती है इजाजत

मुंबई, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी म्यूचुअल फंड्स के लिए कमोडिटी डेरिवेटिव स्कीम्स की एक अलग कैटेगरी शुरू कर सकता है। इस कैटेगरी में म्यूचुअल फंड ऐसी स्कीम शुरू कर सकेंगे, जो एक्सचेंज ट्रेडेड कमोडिटी डेरिवेटिव्स (ईटीसीडी) के जरिए पूरी तरह से कमोडिटी में इनवेस्ट करेगा। यह एक्टिवली मैनेज्ड फंड होगा। अभी इस प्रस्ताव पर सेबी की एक कमेटी विचार कर रही है। म्यूचुअल फंडों को ईटीसीडी में निवेश करने की इजाजत पहले से है। लेकिन, अभी निवेश की सीमा तय है। कोई फंड अपना पूरा पैसा ईटीसीडी में निवेश नहीं कर सकता है। सेबी कमोडिटी स्कीम को सिंगल कमोडिटी में 30 फीसदी निवेश की इजाजत दे सकता है। इसमें से 20 फीसदी के लिए हेज जरूरी होगा, जबकि बाकी 10 फीसदी नैकेड या नेट लॉन्ग पोजीशन हो सकती है।

सरकार ने किया साफ, मुफ्त नहीं मिलेगा सैटेलाइट स्पेक्ट्रम

नईदिल्ली। इंडियन मोबाइल कांग्रेस में सैटेलाइट स्पेक्ट्रम का मुद्दा छाया रहा। विवाद इस बात पर है कि स्पेक्ट्रम का आवंटन नीलामी के माध्यम से किया जाना चाहिए या प्रशासनिक तरीके से। स्टारलिंक और अमेजन जैसे ग्लोबल प्लेयर्स प्रशासनिक आवंटन के पक्षधर हैं, जहां स्पेक्ट्रम बिना नीलामी के आवंटित होता है। वहीं रिलायंस का तर्क है कि स्पेक्ट्रम का आवंटन नीलामी के जरिए ही होना चाहिए, ताकि सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित किया जा सके। अंबानी को भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल का भी साथ मिला है, जो पहले नीलामी के विरोध में थे। मित्तल ने कहा, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी उपग्रह संचार प्रदाता उन्हीं कानूनी शर्तों का पालन करें जिनका पारंपरिक दूरसंचार ऑपरेटरों को पालन करना होता है, जिसमें लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम की खरीदारी शामिल है। इस बीच केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने साफ किया कि सेटेलाइट स्पेक्ट्रम किसी को मुफ्त में नहीं दिया जाएगा।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

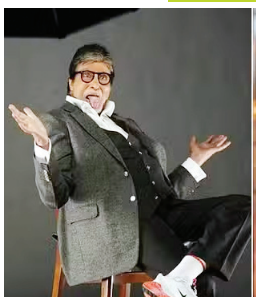

अविनाश तिवारी ने अमिताभ बच्चन के सिर पर वार की घटना को किया याद, बोले- सेट पर छाया सन्नाटा

लैला मजनू से मशहूर हुए अविनाश तिवारी ने अमिताभ बच्चन के साथ टीवी सीरीज युद्ध की शूटिंग की थी, लेकिन इस दौरान अविनाश से इतनी बड़ी गलती हो जाएगी। यह उन्हें भी अंदाजा नहीं था। यह पहली बार था जब युद्ध की शूटिंग के वक्त अविनाश की मुलाकात बिग बी से हुई थी। टीवी शो युद्ध की शूटिंग के एक सीन के दौरान अविनाश से दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन के सिर पर चोट लग गई थी। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अविनाश ने अमिताभ बच्चन के साथ एक एक्शन सीन फिल्माने की घटना को याद किया, जिससे उन्हें शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी। अविनाश ने याद करते हुए कहा, पहली बार जब हम (अमिताभ बच्चन) मिले तो हमें एक एक्शन सीक्वेंस करना था। मैंने उस समय तक अपने जीवन में कभी कोई एक्शन सीक्वेंस नहीं किया था। सीन में उन्हें मुझे मुक्का मारना था और मुझे झुककर उन्हें जवाब देना था। मैंने उनके सिर पर मुक्का मारा, लेकिन उस समय मुझे जो शर्मिंदगी महसूस हुई, मैं उससे आज भी उबर नहीं पाया हूं। अविनाश ने आगे कहा, सेट पर एकदम सन्नाटा छा गया था और मैंने एक और मुक्का मारा क्योंकि उन्होंने कट नहीं कहा था। मैं उनके पास गया और माफी मांगी। उन्होंने कहा, हां तुमने मेरे सिर पर मारा। मैंने माफी मांगी और घबराहट में मैंने उनसे पूछा कि क्या हमें रिहर्सल करनी चाहिए और उन्होंने अभी भी अपने सिर के पिछले हिस्से को पकड़ते हुए मेरी तरफ देखा और कहा हम इसे धीरे-धीरे करेंगे। उन्होंने मुझसे कहा एक्शन कोरियोग्राफी की तरह है इसलिए सिर्फ डांस करो एक्शन नहीं। अविनाश ने कैसे लिए था अभिनेता बनने का फैसला। इस पर अविनाश ने कहा मैंने अपने जीवन के एक हिस्से के रूप में संघर्ष को स्वीकार कर लिया है। मैं इंजीनियरिंग कर रहा था और एक दिन मैंने अभिनेता बनने का फैसला किया। मुझे नहीं पता था कि क्या करना है। यह मेरे लिए अजनबी दुनिया की तरह लग रहा था और उस समय मुझे यह पसंद नहीं था। मैंने सोचा कि मुझे दिल्ली में मिस्टर बैरी जॉन के साथ अभिनय का प्रशिक्षण लेना चाहिए।

शाहिद की आगामी एक्शन फिल्म के लिए उत्साहित हैं विद्या, नोट लिखकर जताई खुशी

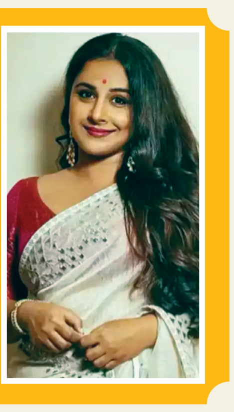

शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े की आने वाली फिल्म बहुप्रतीक्षित 'देवा' को बड़े पर्दे पर देखने के लिए प्रशंसकों के अलावा बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन भी बेताब हैं। विद्या ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म का लुक साझा करते हुए एक खास नोट लिखा है। शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म देवा के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित यह फिल्म 31 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टीम द्वारा फिल्म की रिलीज डेट हाल ही में साझा की गई है, जिससे प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर और अधिक उत्साह बढ़ गया है। वहीं अब विद्या बालन ने अपने सोशल मीडिया पर इस थ्रिलर को बड़े पर्दे पर देखने के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की है। पहले शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े की आने वाली फिल्म देवा 14 फरवरी 2025 को वैलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज होने वाली थी। लेकिन, टीम ने फिल्म की बड़े पर्दे पर रिलीज की तारीख को बदलकर 31 जनवरी 2025 कर दिया है, जिससे दर्शकों का इंतजार कम हो गया है। टीम द्वारा घोषणा किए जाने के तुरंत बाद, विद्या बालन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इसे रीपोस्ट किया। उन्होंने आगे अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए लिखा, येय बहुत उत्साहित हूं । अरे देवा, 31-01-25 का इंतजार नहीं कर सकती। इस फिल्म का निर्माण विद्या के पति और फिल्म निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर ने किया है।

सैफ अली खान नजर आएंगे साउथ की एक हिट फिल्म के रीमेक में, दमदार होगा रोल

सैफ अली खान एक्शन फिल्मों में काफी जंचते हैं। वह रेस जैसी फिल्मों में दमदार एक्शन करते हुए नजर आए। खबर है कि वह एक साउथ की एक्शन कॉमेडी फिल्म में भी नजर आ सकते हैं। सैफ अली खान इन दिनों कुछ बड़ी फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। इन फिल्मों में रेस 4 जैसी फिल्म भी शामिल है। अब सुनने में आया है कि वह दक्षिण भारतीय फिल्म का रीमेक भी कर सकते हैं। जिस फिल्म के रीमेक में सैफ अली खान काम कर सकते हैं वह शायद दक्षिण भारतीय अभिनेता नानी की फिल्म हो सकती है। इस फिल्म में नानी ने एक्शन के साथ कॉमेडी भी की। इस तरह से देखा जाए तो सैफ अगर इस फिल्म के लिए फाइनल होते हैं तो वह भी एक्शन के साथ कॉमेडी करते हुए दर्शकों को नजर आएंगे। नानी की इस फिल्म का नाम 'गैंग लीडर' बताया जा रहा है। फिल्म 2019 में रिलीज हुई थी। इसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। एक्शन में तो सैफ अली खान खूब अच्छे लगते हैं। कई फिल्मों में उन्होंने कॉमेडी भी की है। इन फिल्मों में 'भूत पुलिस' और 'गो गोवा गोन' शामिल हैं। कई फिल्मों में इमोशनल रोल के साथ उन्होंने कॉमेडी भी की, जिसमें लव आज कल जैसी फिल्म शामिल रही। इस फिल्म में उनके साथ दीपिका पादुकोण नजर आई थीं। दोनों की जोड़ी को इस फिल्म में काफी पसंद किया गया। सैफ अली खान ने करीना कपूर के साथ एक फिल्म टशन भी की थी। जिसमें भी उन्होंने एक्शन के साथ कॉमेडी भी की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चली नहीं लेकिन इस के दौरान ही करीना और सैफ करीब आए थे। इन्हें इस फिल्म के दौरान ही मोहब्बत हुई। कुछ सालों बाद दोनों ने शादी कर ली। इन दिनों भी दोनों सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें साझा करते रहते हैं। यह दोनों हाल फिलहाल किसी फिल्म में साथ नजर नहीं आए हैं।

बिलखिरिया स्थित गांव पटरिया काछी में हादसा

घर में लगी आग से बुजुर्ग दंपती झुलसे, पति की मौत, पत्नी गंभीर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित गांव पढरिया काछी में बुधवार रात घर में आग लग गई। आग लगने से घर में रहने वाले दंपती झुलस गए। आसपास रहने वाले रिश्तेदार उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई। उनकी पत्नी गंभीर रूप से झुलसी हुई है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में पता चला कि बुजुर्ग लकवाग्रस्त थे और बीड़ी पीने के आदी थे। अनुमान है कि बीड़ी जलाते समय जलती तीली फेंकने से बिस्तर में आग भड़की थी। इसी से हादसा हुआ है।

पुलिस के अनुसार पढरिया काछी निवासी 67 साल के कमल सिंह लकवाग्रस्त थे। वे 61 साल की पत्नी कृष्णा के साथ अकेले रहते थे। पत्नी कृष्णा मूकबधिर है। दोनों की संतान नहीं है और वह यहां पक्के मकान में अकेले रहते थे।

उनके मकान के आसपास रिश्तेदार रहते हैं। बुधवार रात करीब 11 बजे उनके घर से धुंआ उठता देख रिश्तेदार पहुंचे थे। इस दौरान बिस्तर पर सो रहे कमल सिंह और उनकी पत्नी आग से झुलसे हुए नजर आए। किसी तरह आग बुझाने के बाद रिश्तेदारों ने उन्हें हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था। हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान गुरुवार सुबह कमल सिंह की मौत हो गई, जबकि कृष्णा का इलाज चल रहा है। पुलिस का कहना है कि गंभीर रूप से झुलसने के कारण दंपती बयान देने की स्थिति में नहीं थे।

पुलिस पहुंची तो न मोबाइल मिला न ईयरफोन

ईयरफोन लगाकर पटरी पार कर रहा युवक ट्रेन की चपेट में आया, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। कोहेफिजा थाना क्षेत्र में बुधवार शाम एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। वह काम पर जाने का कहकर घर से निकला था। शाम को उसकी मौत की खबर पुलिस ने परिजनों को दी। पुलिस का कहना है कि घटना के बाद लोगों ने वीडियो बनाया था। उसमें घटनास्थल पर युवक का मोबाइल और ईयरफोन पड़ा दिखा था लेकिन पुलिस को मौके से न तो मोबाइल मिला और न ही ईयरफोन मिला है। अनुमान लगाया जा रहा है कि वहां से गुजर रहा कोई व्यक्ति ईयरफोन और मोबाइल उठा लग गया है। मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक

मूलरूप से धनियाखेड़ी गंजबासौदा जिला विदिशा निवासी वीरेन्द्र अहिरवार (24) यहां कृष्णा कॉलोनी में अपने बड़े भाई और भा ी के साथ रह रहा था। वह करोंद स्थित पीठे पर मजदूरी करता था। विगत 27 नवंबर की सुबह वह अपनी भाभी से काम पर जाने का कहकर निकला था। शाम को पुलिस ने उसकी मौत की खबर परिजनों को दी। उसके पास मिली डायरी से मृतक की शिना त हुई।

घर से फूल तोड़ने निकले बुजुर्ग ने ट्रेन से कटकर दी जान

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित इंडस टाउन फेस थ्री में एक बुजुर्ग ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। गुरुवार सुबह वह घर से मॉर्निंग वॉक और फूल तोड़ने का कहकर निकला था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। परिजन ने बताया कि बुजुर्ग का मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ था। कुछ दिन से उसमें सुधार था। बावजूद इसके उन्होंने क्यों आत्महत्या कर ली परिजन कोई जवाब नहीं दे सके। पुलिस के अनुसार स्टेशन मास्टर जय सिंह परमार की सूचना पर पर इंडस टाउन फेस थ्री के पीछे रेलवे ट्रैक से बुधवार सुबह पुलिस ने एक बुजुर्ग का शव बरामद किया था। मृतक का फोटो और हुलिया इंडस टाउन में दिखाया गया तो कुछ लोगों ने बताया कि बुजुर्ग का मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ था और वह इंडस टाउन रेलवे ट्रैक के पास घूमता था। पहले तो वह गुजरने वाली ट्रेन पर पत्थर फेंकता?था। पुलिस परिजन की तलाश करते करते हुए उनके घर पहुंच गई। घर के पास उनकी पत्नी मिली। पत्नी ने बताया कि वे सुबह फूल तोड़ने का कहकर निकले थे। वह खुद उनकी तलाश कर रही थी। पत्नी का हुलिया दिखाया गया तो उन्होंने मृतक की पहचान रूपेंद्र सिंह पिता रंजीत सिंह (59) इंडस टाउन फेस थ्री के रूप में कर ली।

ढाई महीने पहले पैर में कीड़े ने काटा, अब मौत

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित पूजा कॉलोनी में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। करीब ढाई महीने पहले उन्हें पैर में किसी जहरीले कीड़े ने काट लिया था। परिजन उनका प्राइवेट अस्पताल में इलाज करा रहे थे। वह घर पर थी।
रात में अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।
पुलिस के अनुसार रामदेवी यादव पति राजू यादव (52) पूजा कॉलोनी करोंद में रहती थी।
करीब ढाई महीने पहले उनके दाहिने पैर में किसी जरहीले कीड़े ने काट लिया था। परिजन उन्हें निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां इलाज कराने के बाद उन्हें घर ले आए थे। बुधवार रात एकाएक उनकी तबीयत बिगड़ी और परिजन उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे, वहां इलाज के दौरान गुरुवार सुबह उनकी मौत हो गई। पुलिस ने डॉक्टर से ओपिनियन लिया तो पता चला कि पैर में कीड़े के काटने के कारण संक्रमण हो गया था और पैर सढ़ने लगा था।

महिला का नोटों से भरा पर्स और ट्राली बैग चोरी, जीआरपी ने दर्ज की एफआईआर

देर रात स्टेशन पर यात्री से चेन झपटकर भागा बदमाश

अन्य यात्रियों के साथ चोरी की वारदात

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में चोरी और झपटमारी की वारदात थमने का नाम नहीं ले रही है। औबेदुल्लागंज स्टेशन पर देर रात 3 बजे एक बदमाश ने ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्री के गले से 1 लाख रुपए की सोने की चेन झपट ली और ट्रेन से कूदकर भाग निकला। इसी प्रकार एक महिला का नोटों से भरा बैग और दूसरी महिला का ट्राली बैग चोरी हो गया। जीआरपी रानी कमलापति ने सभी मामलों में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी अनुसार विनोद जैन (50) चांटामेटा, तहसील परासिया, जिला छिंदवाड़ा के हैं। वह पातालकोट एक्सप्रेस में विदिशा से परासिया की यात्रा कर रहे थे। औबेदुल्लागंज के पास रात को ट्रेन करीब एक घंटा खड़ी रही। रात करीब 3 बजे ट्रेन जैसे ही चलना शुरू हुई, वैसे ही एक बदमाश ने विनोद के गले पर झपट्टा मारकर 3 तोला वजनी सोने की चेन खींच ली और भागने लगा।

विनोद और अन्य यात्रियों ने

बदमाश को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह चलती ट्रेन से कूदकर भाग निकला। उन्होंने इसकी शिकायत रेलवे के टोलफ्री नंबर पर की थी।

यात्रा समाप्त होने की जीआरपी छिंदवाड़ा जाकर चैन लूटने की रिपोर्ट दर्ज कराई। केस डायरी आने के बाद जीआरपी रानी कमलापति ने असल कायमी कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

महिला का नोटों से भरा पर्स चोरी

दिल्ली के रोहिणी इलाके में रहने वाली सुनीता नारायण (67) अपने पति के साथ श्रीधाम एक्सप्रेस में रेलवे स्टेशन हजरत निजामुद्दीन से गाडरवारा की यात्रा कर रही थी।

उन्होंने अपना लेडीज पर्स सिरहाने रखा हुआ था। रात करीब ढाई बजे ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन पर धीमी रफ्तार से निकल रही थी, तभी किसी ने उनका पर्स चोरी कर लिया।

चोरी गए पर्स में 82 हजार रुपए नकद, दंपति के आधार कार्ड, पैन कार्ड, चैकबुक, दवाइयां समेत अन्य जरूरी सामान और दस्तावेज रखे हुए थे। इसकी जानकारी महिला ने तत्काल ही आरपीएफ स्टाफ को दी और बाद में जीआरपी पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

सचखंड एक्सप्रेस में ट्राली बैग चोरी

पंजाब में रहने वाली सिमरन कौर अपने परिवार के साथ सचखंड एक्सप्रेस में नांदेड़ से राजपुरा पंजाब की यात्रा कर रही थी। उन्होंने अपना ट्राली बैग सीट पर रखा था। खंडवा स्टेशन निकलने के बाद परिवार वाले अपनी सीटों पर सो गए थे। रात करीब ढाई बजे मिसरोद स्टेशन निकल रहा था, तब सिमरन की नींद खुली।

देखा तो उनका ट्राली बैग गायब था। बैग के अंदर कपड़े, पील का सामान, मोबाइल चार्जर, दवाइयां समेत करीब 62 हजार रुपये का सामान रखा हुआ था। बीना जीआरपी से डायरी आने के बाद रानी कमलापति जीआरपी ने केस दर्ज कर लिया है।

बैग चुराकर चलती ट्रेन से कूदा बदमाश

सिवनी निवासी विकास ठाकुर अपनी पत्नी के सात पातालकोट एक्सप्रेस में ग्वालियर से सिवनी की यात्रा कर रहे थे। स्लीपर कोच में दोनों अपनी-अपनी सीट पर बैठे थे। भोपाल स्टेशन के आसपास उनकी नींद लग गई थी। रात करीब साढ़े तीन बजे ट्रेन जब बुधनी स्टेशन के पास धीमी गति से चल रही थी, तभी एक बदमाश ने पत्नी के सिरहाने रखा लेडीज हैंगबैग खींच लिया।

पत्नी के शोर मचाने पर विकास बदमाश के पीछे दौड़े, लेकिन वह चलती ट्रेन से कूदकर भाग निकला। चोरी गए बैग में दो मोबाइल, नगद रुपए और जरूरी दस्तावेज समेत करीब 16 हजार का सामान रखा हुआ था।

सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन से निगरानी

इज्तिमा स्थल की सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहेंगे चार हजार जवान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईटखेड़ी स्थित घासीपुरा में आज शुक्रवार से इज्तिमा शुरू हो गया है। पुलिस ने भी अपनी तैयारी पूरी रखी है। सुबह फजिर की नमाज के साथ 77 वें आलमी तब्लीगी इज्तिमा का आगाज हो गया। इज्तिमा स्थल की सुरक्षा के लिए न केवल देहात बल्कि नगरीय पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था लगाई गई। इज्तिमा स्थल पर पुलिस के करीब चार हजार जवान तैनात किए गए हैं। 29 नवंबर से 2 दिसंबर तक आयोजित इज्तिमा में मल्टीलेयर सुरक्षा व्यवस्था तैयार की गई है। बाहरी, आंतरिक, पेट्रोलिंग पार्टी (कमांड एंड कंट्रोल व्हीकल्स), सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन कैमरों से मॉनीटरिंग के अलावा पार्किंग और ट्रैफिक की पुख्ता व्यवस्था की गई है। रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड से लेकर इज्तिमा स्थल तक अलग-अलग स्तर पर सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं।

स्ट्रेटेजिक लोकेशन और इंट्री प्वाइंट पर लगाए कैमरे

पुलिस अधीक्षक (देहात) प्रमोद कुमार सिन्हा ने बताया कि रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड से लेकर इज्तिमा स्थल तक सभी स्ट्रेटेजिक लोकेशन और इंट्री प्वाइंट पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा मोबाइल सीसीटीवी (कमांड एंड कंट्रोल व्हीकल्स) कैमरे भी अपना काम करते रहेंगे। कमांड एंड कंट्रोल व्हीकल्स कहीं भी खड़े करने पर करीब 200 मीटर तक कवरेज कर लेते हैं। ड्रोन कैमरों से भी लगातार इज्तिमा स्थल की

मॉनीटरिंग की जा रही है।

आरएएफ और अन्य दल भी बुलाए

मल्टीलेयर सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर भोपाल की देहात और नगरीय पुलिस के जवनों के अलावा बाहरी बल भी बुलाया गया है। रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के जवान भी तैनात किए गए हैं। इज्तिमा स्थल की सुरक्षा व्यवस्था का बंदोबस्त आईजी (देहात) अभय सिंह के नेतृत्व में किया जा रहा है। इसमें पुलिस कमिश्नर भोपाल हरिनारायणाचारी मिश्र का सहयोग भी लिया जा रहा है।

बीडीडीएस की टीम ने की चेकिंग

सुरक्षा के मद्देजनर इज्तिमा स्थल और शहर के विभिन्न स्थानों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन आदि संवेदनशील व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर नाकाबंदी तथा बैरिकेडिंग कर संदिग्ध लोगों विशेषकर बाहरी वाहनों की सघनता से चैकिंग की जा रही है। अतिरिक्त बम डिस्पोजल व डॉग स्क्वायड इज्तिमा स्थल तथा उसके आसपास, पार्किंग स्थल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन आदि अति संवेदनशील स्थानों पर सघनता से चैकिंग की जा रही है।

मेट्रो एंकर डैमेज पाइप लाइन सुधारने जुटा जलकार्य विभाग का अमला

मुख्य पाइपलाइन डैमेज तत्काल पहुंचे नपाध्यक्ष

इटारसी, दोपहर मेट्रो

सुबह सुबह नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे को जलकार्य सभापति गीता देवेंद्र पटेल ने खबर दी कि कांवेन्?ट स्?कूल के पास धोखेडा से आने वाली मुख्?य पाइप लाइन डैमेज हो गई है। जिससे पानी बह रहा है।

खबर मिलने पर नपाध्?यक्ष पंकज चौरे तत्?काल ही जलकार्य विभाग के कर्मचारियों को लेकर मौके पर पहुंचे। यहां जलकार्य सभापति पटेल भी मौजूद थीं। उन्?होंने डैमेज पाइप लाइन का निरीक्षण किया और जल्?द ही उसे ठीक करने के निर्देश दिए हैं।

पानी व्?यर्थ न बहे इसके लिए पाइप लाइन में पानी सप्?लाई भी तत्?काल रोक दी गई है। पाइप लाइन डैमेज हो जाने से गांधीनगर, मालवीयगंज, पंजाबी मोहल्?ला एरिया में पानी की समस्?या आएगी, जिसे अन्?य स्?थानों से पानी सप्?लाई किया जाएगा।

गोदाम की आग ऊपर तक पहुंची, पुलिस ने स्थानीय लोगों के साथ किया था रेस्क्यू

प्रॉपर्टी के विवाद में दो लोगों ने गोदाम में लगाई आग

अब हुआ खूलासा, डेढ़ महीने बाद प्रकरण दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में गत 12-13 अक्टूबर की दरमियानी रात कबाड़ के गोदाम में आग लग गई थी। आग इतनी भीषण थी कि उसने ऊपर बने 3 मंजिला मकान को अपनी चपेट में ले लिया था। आगजनी से ऊपर मकान में रह रहे करीब दर्जनभर लोग फंस गए थे। इनमे महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सीढ़ी समेत रस्सी के सहारे रेस्क्यू किया था। उस समय आग लगने के कारण अज्ञात थे। पुलिस ने आगजनी का प्रकरण दर्ज कर जांच की। कुछ लोगों से पूछताछ और इलाके में लगे में सीसीटीवी कैमरे के फुटेज से पुलिस ने अयाज बंबई और अयान यूपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। अयाज बंबई और अयान प्रॉपर्टी का काम करते है और वो दोनों इस गोदाम को खरीदना चाहते थे। गोदाम के मालिक युसूफ ने गोदाम बेचने से मना कर दिया था। उन्होंने अपना गोदाम किराए पर दे दिया था। इस बात से अयाज बंबई और अयान इससे नाराज हो गए। उन्होंने योजना बनाई?थी कि गोदाम में आग लगा देंगे। आगजनी की घटना के समय दोनों सीसीटीवी में गोदाम के आसपास नजर आए थे। वहीं कुछ लोगो ने उन्हें आग लगाते हुए देखा था।

.....जा सकती थी लोगों की जान

आग लगने से गोदाम के ऊपर बने मकान में रह रहा परिवार फंस गया था। परिवार में 2 महिलाएं, 2 बुजुर्ग और 2 से 8 साल की उम्र के 6 से 7 बच्चे थे। बच्चों और बुजुर्गों को पुलिस ने कंधे पर रख कर बिल्डिंग की छत से उतारा था, वहीं महिलाओं को सीढ़ी और रस्सी की मदद से रेस्क्यू किया गया था। गोदाम में आग इतनी भयानक थी, कि जो परिवार ऊपर रह रहे थे वो सीढ़ियों से नहीं उतर सकते थे, जिसके चलते उनका छत से रेस्क्यू किया गया। घटना के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने 2 से 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू किया गया था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022